



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 9, 1974/फाल्गुन 18, 1895

No. 10]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 9, 1974/PHALGUNA 18, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India

(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities

(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

ELECTION COMMISSION OF INDIA

आदेश

ORDER

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1974

New Delhi, the 28th January, 1974

का. प्रा. 642.—यनः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1972 में हुए राजस्थान विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 40-फुलेरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामभवतार, राजा बाजार, बार्ड नं० 3, फुलेरा, जिला जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्बोधन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यनः उक्त, उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचनाएं दिए जाने पर भी, अपनी इस सफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रामभवतार को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए हम आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० राज०-वि० सं०/40/72(27)]

S.O. 642.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramavtar, Raja Bazar, Ward No. 3, Phulera, District Jaipur (Rajasthan) a contesting candidate for General Elections to the Rajasthan Legislative Assembly held in 1972 from 40-Phulera constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act 1951 and the Rules made thereunder;

2. And whereas the said candidate, even after the notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

3. Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramavtar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/40/72/(27)]

आदेश

नई दिल्ली 30 जनवरी, 1974

का. आ. 643.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए चांदनी चौक संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जुल्फीकार अली 11/827 हवेली आजमखान, दिल्ली लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जुल्फीकार अली को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० दिल्ली-सो० स०/5/71 (8)]

ORDER

New Delhi, the 30th January, 1974

S.O. 643.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Zulfikar Ali, 11/827, Haveli Azam Khan, Delhi a contesting candidate for General Elections to the House of the People held in March, 1971 from Chandni Chowk Parliamentary Constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder ;

2. And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

3. Now therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Zulfikar Ali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. DL-HP/5/71(8)]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का. आ. 644.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, आन्ध्र प्रदेश सरकार के परामर्श से, श्री धार० विठ्ठल राव, अपर मुख्य सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार को श्री एस० ए० कादर के स्थान पर आन्ध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में 30 जनवरी 1974 पूर्वाह्न से भ्रगले आदेशों तक एतद्वारा नामनिर्दिष्ट करता है।

[सं० 154/आ०प्र०/74]

श्री० एन० भारद्वाज, सचिव

New Delhi, the 19th February, 1974

S.O. 644.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Andhra Pradesh, hereby nominates Shri R. Vithal Rao, Additional Chief Secretary to the Government of Andhra Pradesh

as the Chief Electoral Officer for the State of Andhra Pradesh with effect from the forenoon of the 30th January, 1974 and until further orders vice Shri S. A. Quader.

[No. 154/AP/74]

B. N. BHARDWAJ, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1974

का. आ. 645.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 210-पामीगंज निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता ग्राम व पो० शंकरपुर इमामगंज, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/210/72(42)]

ORDER

New Delhi, 14th February, 1974

S.O. 645.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bishwanath Pd. Gupta, Village & P. O. Shankarpur Imamganj, District Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 210-Paliganj constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bishwanath Pd. Gupta to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/210/72(42)]

आदेश

का. आ. 646.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 210 पामीगंज निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम लखन सिंह ग्राम केशोपुर, पो० अकबरपुर, जिला पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया

है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस सफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम लखन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्दिष्ट घोषित करता है।

[सं. विहार-वि० सं० /210/72(43)]

ए० एन० सेन, सचिव

ORDER

S.O. 646.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Lakhan Singh, Village Keshopur, P.O. Akbarpur, District Patna (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 210-Paliganj constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Lakhan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/210/72(43)]

A. N. SEN, Secy.

विधि, ग्याय व कम्पनी कार्य संचालय

(न्याय विभाग)

सक्षम प्राधिकारी का कार्यालय

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1974

नोटिस

क्र. आ. 647.—इसके द्वारा लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूल्स) 1956 के नियम 6 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री अमर चन्द दत्त, एडवोकेट 12 गवर्नमेंट प्लेस ईस्ट कलकत्ता-1 ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन कलकत्ता में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अंदर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/51/73-न्याय]

के. त्यागराजन, सक्षम प्राधिकारी और उप-सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

Office of Competent Authority

New Delhi, the 25th February, 1974

NOTICE

S.O. 647.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Amar Chand Dutt,

Advocate, No. 12 Government Place, East, Calcutta-1 for appointment as a Notary to practise in Calcutta.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/51/73-JUS]

K. THYAGARAJAN, Competent Authority
and Dy. Secy.

वित्त संचालय

(राजस्व और बोमा विभाग)

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1974

(आय-कर)

क्र. आ. 648.—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (4) के उपखंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सर्वे श्री पी० बी० औध्या और जे० एन० प्रसाद को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना 25 जनवरी 1974 से प्रभावी होगी।

[सं० 545 (फा० सं० 404/16/74 (आई टी सी सी))]

एम० एन० नम्बियार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 23rd January, 1974

INCOME TAX

S.O. 648.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri P. B. Audhya and J. N. Prasad who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the Powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from 25th January, 1974.

[No. 545 (F. No. 404/16/74-ITCC)]

M. N. NAMBIAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1974

(आय-कर)

क्र. आ० 649.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री कुडल मानिकोम मठिर इरीनजालाकुडा, केरल को, उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए केरल राज्य और देश के अन्य राज्यों में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 552 : फा० सं० 176/6/74-आ०क० (ए1)]

बी० बी० श्रीनिवासन, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February, 1974

(INCOME-TAX)

S.O. 649.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Shree Koodal Manickom Temple, Irinjalakuda, Kerala to be a place of public worship of renown throughout the State of Kerala and other States in the country for the purposes of the said section.

[No. 552 : F. No. 176/6/74-IT(AI)]

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का. प्रा. 650.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारत के रिजर्व बैंक से परामर्श करके, श्री बी० एन० अदार्कर को 21 फरवरी, 1974 से प्रारम्भ होने वाली और 31, मार्च 1974 को समाप्त होने वाली और अवधि के लिए सेंट्रल बैंक आफ इंडिया का प्रबन्ध निदेशक पुनः नियुक्त करती है।

[सं० फा० 9/1/74-बी० ओ० I-1]

(Department of Banking)

New Delhi, the 19th February, 1974

S.O. 650.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3, read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby reappoints Shri B. N. Adarkar as the Managing Director of Central Bank of India for a further period commencing on 21st February, 1974 and ending with 31st March, 1974.

[No. F. 9/1/74-BO. I-1]

का. प्रा. 651.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारत के रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री बी० एन० अदार्कर को, जिसे 21 फरवरी, 1974 से सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबन्ध निदेशक पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के निदेशक बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[सं० फा० 9/1/74-बी० ओ० I-2]

एन० सी० सेन गुप्ता, सचिव

S.O. 651.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri B. N. Adarkar who has been reappointed as Managing Director of Central Bank of India with effect from 21st February, 1974 to be the Chairman of the Board of Directors of Central Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/1/74-BO. I-2]

N. C. SEN GUPTA, Secy.

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

(द्रष्टृ विभाग)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1974

का. प्रा. 652.—रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में फरवरी 1974 की 15 तारीख को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	38,25,36,000		मोने का भिक्का और बुलियन :-		
			(क) भारत में रखा हुआ	182,53,05,000	
संचालन में नोट	5989,94,49,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां	101,73,97,000	
जारी किए गये कुल नोट		6028,19,85,000	जोड़		284,27,02,000
			रुपये का भिक्का		8,60,67,000
			भारत सरकार की रुपया		
			प्रतिभूतियां		5735,32,16,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे		
			वाणिज्य-पत्र		..
कुल देयताएं		6028,19,85,000	कुल आस्तियां		6028,19,85,000

तारीख 20 फरवरी, 1974

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

15 फरवरी 1974 को रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	भ्रास्तिमां	रुपये
शुक्ता पूंजी	5,00,00,000	नोट	38,25,36,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिस्का	2,69,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	239,00,00,000	छोटा सिस्का	3,24,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	85,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल	188,39,57,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	205,00,00,000	(क) देशी	330,23,14,000
जमा राशियां :—		(ख) विदेशी	253,49,07,000
(क) सरकारी		(ग) सरकारी खजाना बिल	241,79,27,000
(i) केन्द्रीय सरकार	50,43,36,000	विदेशों में रखा हुआ धन	
(ii) राज्य सरकारें	8,24,53,000	निवेश**	
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	687,12,35,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	15,42,66,000	(ii) राज्य सरकारों को @	90,01,00,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,19,45,000	ऋण और अग्रिम :—	
(iv) अन्य बैंक	55,09,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को†	295,14,00,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को‡	282,76,78,000
		(iii) दूसरों को	4,94,95,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	66,65,26,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	19,93,70,000
		(iii) केन्द्रीय भूमि बंधक बैंकों को	
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	39,00,00,000
(ग) अन्य	72,15,23,000	(ख) केन्द्रीय भूमि बंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	11,26,36,000
देय बिल	127,53,10,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
अन्य देयताएं	499,66,70,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	55,77,96,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	151,10,59,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश	
		अन्य भ्रास्तिमां	77,49,53,000
रुपये	2146,32,47,000	रुपये	2146,32,47,000

नकदी, आवाधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

*राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

†रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को सीमांसी जिलों पर अग्रिम दिये गये 32,00,00,000 रुपये शामिल हैं।

‡राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

[सं० फा० 10(1)/74-बी० ओ०-1]

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

तारीख 20 फरवरी, 1974

RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, 23rd February, 1974

S.O. 652.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 15th day of February 1974

(ISSUE DEPARTMENT)

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	38,25,36,000		Gold Coin and Bullion:—		
Notes in circulation	5989,94,49,000		(a) Held in India	182,53,05,000	
Total Notes issued		6028,19,85,000	(b) Held outside India		
			Foreign Securities	101,73,97,000	
			Total		284,27,02,000
			Rupee Coin		8,60,67,000
			Government of India Rupee Securities		5735,32,16,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
Total Liabilities		60,28,19,85,000	Total Assets		6028,19,85,000

Dated the 20th day of February 1974.

S. JAGANNATHAN, Governor

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 15th February 1974

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	38,25,36,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	2,69,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	239,00,00,000	Small Coin	3,24,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	85,00,00,000	Bills Purchased and Discounted:—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	205,00,00,000	(a) Internal	188,39,57,000
Deposits:—		(b) External	
(a) Government		(c) Government Treasury Bills	330,23,14,000
(i) Central Government	50,43,36,000	Balance Held Abroad*	253,49,07,000
(ii) State Governments	8,24,53,000	Investments**	241,79,27,000
(b) Banks		Loans and Advances to:—	
(i) Scheduled Commercial Banks	687,12,35,000	(i) Central Government	
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	15,42,66,000	(ii) State Governments@	90,01,00,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,19,45,000	Loans and Advances to:—	
(iv) Other Banks	55,09,000	(i) Scheduled Commercial Banks†	2,95,14,00,000
(c) Others	72,15,23,000	(ii) State Co-operative Banks‡	2,82,76,78,000
Bills Payable	127,53,10,000	(iii) Others	4,94,95,000
Other Liabilities	499,66,70,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to:—	
		(i) State Governments	66,65,26,000
		(ii) State Co-operative Banks	19,93,70,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	39,00,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	11,26,36,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	55,77,96,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	151,10,59,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		Other Assets	77,49,53,000
RUPEES	2146,32,47,000	RUPEES	2146,32,47,000

* Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

** Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

† Includes Rs. 32,00,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

‡ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 20th day of February 1974.

[No F. 10(1)/74 B.O.I]
S. JAGANNATHAN, Governor.

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का० प्रा० 653—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबन्ध और बैंकिंग विनियमन (सहकारी समितियों) नियमावली, 1966 का नियम 10 'थाना जनता सहकारी बैंक लिमिटेड' थाना पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक कि उनका संबंध इस बैंक द्वारा 30-6-1973 को समाप्त होने वाले वर्ष के बारे में अपने तालन-पत्र, लाभ और हानि लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों को समाचार पत्र में प्रकाशित कराने से है।

[सं० एफ० 8/2/74-कृषि ऋण]

कु० भवानी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th February 1974

S.O. 653.—In exercise of the powers conferred by the section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 31 of the said Act and Rule 10 of the Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to the Thane Janata Sahakari Bank Ltd., Thana in so far as they relate to the publication of its balance sheet, profit and loss account for the year ended the 30 June, 1973, together with the auditor's report in a newspaper.

[No. F. 8/2/74-AC]

K. BAVANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1974

निर्देश सं० फा० 9-4(32)/72-बीओ-1 (जिब 3)-4, तारीख 4, दिसम्बर, 1972

का० प्रा० 654—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खंड 3 के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक से के पश्चात् निम्नलिखित व्यक्तियों को, 7 फरवरी, 1974 को प्रारंभ होने परामर्श करने वाली और 10 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए बैंक आफ महाराष्ट्र के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है:—

1. श्री एम० आर० कुलकर्णी, उपाध्यक्ष खंड 3 के उपखंड (ग) के अनुसरण में—अधिकारी, महायक महाप्रबंधक उक्त बैंक के ऐसे कर्मचारियों का कार्यालय, बैंक आफ महाराष्ट्र, प्रतिनिधित्व करना, जो कर्मकार मम्बई। नहीं है।
2. डा० के० एम० भावलकर, खंड 3 के उपखंड (घ) के अनुसरण में—नागपुर उक्त बैंक के निक्षेपकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना।
3. श्री एस० डी० पाटिल यू० नूतन-खंड 3 के उपखंड (ङ) के अनुसरण में—इस्लामपुर, जिला सांगली (महा-कृषकों के हितों का प्रतिनिधित्व राष्ट्र राज्य) करना।
4. श्री हनुमंत वासुदेव, कुबेर, पूना। खंड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में—कारिगरी के हितों का प्रतिनिधित्व करना।
5. डा० (श्रीमती) सुलभ ब्राह्मे, खंड 3 के उपखंड (छ) के अनुसरण में—गोखले राजनैतिक और आर्थिक संस्थान, पूना।

[सं० फा० 9-4/49/73-बीओ-1-13]

सी० डब्ल्यू० मीरचन्दानी, अवर सचिव

New Delhi, 7th February, 1974

Ref: No. F. 9-4(32)/72-BOI-(Vol. III)-4 dated the 4th December, 1972.

S. O. 654.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons to be the Directors of Bank of Maharashtra, for the period commencing on 7th February, 1974 and ending with 10th December, 1975:—

1. Shri M. R. Kulkarni, Representing the employees of the said Bank who are not Senior Officer, workmen—in pursuance of Asstt. General Manager's Office Bank of Maharashtra, subclause (c) of clause 3. Bombay.
2. Dr. K.S. Yawalkar, Representing the interests of depositors of the said Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3. Nagpur.
3. Shri S.D. Patil, Representing the interests of farmers—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3. Urun-Islampur, Distt. Sangli (Maharashtra State)
4. Shri Hanumant Vasudeo Kuber, Poona. Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
5. Dr. (Mrs.) Sulabha Brahme, Gokhale Institute of Politics and Economics, Poona. —in pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. 9-4/49/73-BO. I-13]

C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1974

निर्देश सं० फा० 9-4(32)/72-बीओ-1 (जिब 3) -4

तारीख 4 दिसम्बर, 1972

का० प्रा० 655—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम 1970 के खंड 3 के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित व्यक्तियों को, 15 फरवरी, 1974 को प्रारंभ होने वाली और 10 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाली विण्डोकेट बैंक के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है:—

1. श्री जे० यू० प्रभु, खंड 3 के उपखंड (ग) के अनुसरण में—उक्त बैंक के ऐसे कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करना, जो कर्मकार नहीं है। प्रबंधक, गांधी नगर शाखा, सिण्डीकेट बैंक, बंगलौर
2. श्री स्वामीनाथ रेड्डी, खंड 3 के उपखंड (घ) के अनुसरण में—उक्त बैंक के निक्षेपकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना। प्रबंध निदेशक, ब्राध्र प्रदेश राज्य विप्लवी निगम, हैदराबाद।
3. श्री यू० के० सुब्बैया, खंड 3 के उपखंड (ङ) के अनुसरण में—कृषकों के हितों का प्रतिनिधित्व करना। कलासा फार्म, ह्वाइट-फोल्ड, जिला बंगलौर, (कर्णाटक राज्य)।
4. श्री बी० के० कपूर, खंड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में—दिल्ली।
5. डा० एम० बी० मोहम्मद, पुथूर, जिला-वक्षिणी कमार (कर्णाटक राज्य) } खंड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में—
6. डा० एन० सी० बिलीगिरी रंगैया, गडबोकेट, बंगलौर।

[सं० फा० 9-4/49/73-बीओ-1-9]

New Delhi, 15th February, 1974

Ref: No. F. 9-4(32)/72-BOI-(Vol. III)-4 dated the 4th December, 1972.

SO.655.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons to be the Directors of Syndicate Bank, for the period commencing on 15th February, 1974 and ending with 10th December, 1975:—

- | | |
|---|--|
| 1. Shri J.U. Prabhu,
Manager, Gandhi Nagar
Branch, Syndicate Bank,
Bangalore. | Representing the employees of
the said Bank who are not
workmen—in pursuance of
sub-clause (c) of clause 3. |
| 2. Shri Swaminatha Reddy,
Managing Director,
Andhra Pradesh State
Financial Corp.,
Hyderabad. | Representing the interests of
depositors of the said Bank
in pursuance of sub-clause (d)
of clause 3. |
| 3. Shri U.K. Subbaiah,
Kalasa Farm,
White-field, Distt.
Bangalore, (Karnataka
State). | Representing the interests of
farmers—in pursuance of sub-
clause (e) of clause 3. |
| 4. Shri B.K. Kapur, Delhi. | —in pursuance of sub-clause (f)
clause 3. |
| 5. Dr. M.B. Mohamad,
Puthur, Distt. South
Kanara (Karnataka State). | } in pursuance of sub-clause (f)
of clause 3. |
| 6. Dr. N.C. Biligiri
Rangaiah, Advocate,
Bangalore. | |

[No. F.9-4/49/73-BO.I-9]

निर्देश : सं० फा० 9-4(32)/72-बी० ओ० 1-(जिल्ह 3)-4,

तारीख 4 दिसम्बर, 1972

फा० नं० 656.—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 3 के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित व्यक्तियों को, 15 फरवरी, 1974 को प्रारम्भ होने वाली और 10 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए, इंडियन बैंक के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है:—

- | | |
|---|---|
| 1. श्री एम० गोपाल कृष्णन,
प्रबन्धक,
इंडियन बैंक
मुख्य कार्यालय,
मद्रास। | खंड 3 के उपखंड (ग) के अनुसरण
में—उक्त बैंक के ऐसे कर्मचारियों
का प्रतिनिधित्व करना, जो कर्मकार
नहीं हैं। |
| 2. श्री पी० कृष्णस्वामी,
मद्रास। | खंड 3 के उपखंड (घ) के अनुसरण
में—उक्त बैंक के निक्षेपकों के हितों
का प्रतिनिधित्व करना। |
| 3. श्री एम० सीथाराम दास,
एलुरु,
(आंध्र प्रदेश) | खंड 3 के उपखंड (ङ) के अनुसरण
में—कृषकों के हितों का प्रति-
निधित्व करना। |
| 4. श्री बी० गणपति मत्तपति,
गवर्नमेंट सक्लपचर,
ट्रेनिंग सेंटर,
महाबलीपुरम,
(तमिल नाडु) | खंड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण
में—कारीगरों के हितों का प्रति-
निधित्व करना। |

- | | |
|---|-------------------------------------|
| 5. श्री एम. ए० कमरुद्दीन,
लघु उद्योगपति,
पालघाट,
केरल। | } खंड 3 के उपखंड (च) के अनुसरण में— |
| 6. डा० बी० नटराजन,
अर्थशास्त्री,
मद्रास। | |
| 7. श्री सी० प्रभाकरन,
कोचीन। | |

[सं० 9-4/49/73-बी० ओ०-1-12]

Ref: No. F. 9-4(32)/72-BOI-(Vol. III)-4 dated the 4th December, 1972.

S. O. 656.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons to be the Directors of Indian Bank, for the period commencing on 15th February, 1974 and ending with 10th December, 1975:—

- | | |
|--|--|
| 1. Shri M. Gopalakrishnan,
Manager, Indian Bank,
Head Office, Madras. | Representing the employees of
the said Bank who are not
workmen—in pursuance of
sub-clause (c) of clause 3. |
| 2. Shri P. Krishnaswamy,
Madras | Representing the interests of
depositors of the said Bank—in
pursuance of sub-clause (d)
of clause 3. |
| 3. Shri M. Seetharama Dos,
Eluru,
(Andhra Pradesh). | Representing the interests of
farmers—in pursuance of sub-
clause (e) of clause 3. |
| 4. Shri V. Ganapati
Sthapati, Government
Sculpture Training Centre,
Mahabalipuram,
(Tamil Nadu). | Representing the interests of
artisans—in pursuance of sub-
clause (e) of clause 3. |
| 5. Shri M.A. Kamruddin,
Small Scale Industrialist,
Palghat, Kerala. | —in pursuance of sub-clause
(f) of clause 3. |
| 6. Dr. B. Natarajan,
Economist, Madras. | } —in pursuance of sub-clause
(f) of clause 3. |
| 7. Shri C. Prabhakaran,
Cochin. | |

[No. 9-4/49/73-BO. I-12]

नई दिल्ली 21, फरवरी, 1974

फा० नं० 657.—निक्षेप बीमा निगम अधिनियम, 1961 (1961 का 47) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री आर० एम० मेहता, प्रबन्धक निदेशक, भारत का जीवन बीमा निगम, मुम्बई को 21 फरवरी, 1974 से दो वर्षों की अवधि के लिए निक्षेप बीमा निगम का निदेशक नियुक्त करती है।

[सं० फा० 13/10/73-बी० ओ०-1]

जी० एम० सुकथंकर, निदेशक

New Delhi, the 21st February, 1974

S.O. 657.—In pursuance of the provisions of clause (d) of sub-section (1) of Section 6 of the Deposit Insurance Corporation Act, 1961 (47 of 1961), the Central Government hereby nominates Shri R. M. Mehta, Managing Director, Life Insurance Corporation of India, Bombay, as Director of the Deposit Insurance Corporation for a period of two years with effect from 21st February, 1974.

[No. F. 13/10/73-BO-I]

D. M. SUKTHANKAR, Director

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1973

आय कर

का०आ० 658.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड इसकी अधिसूचना सं० 163 (फा० सं० 187/3/70 आई टी (ए आई) तारीख 23 अगस्त, 1972 से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है।

क्रम सं० 2 और 2क के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी।

आय कर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
(1)	(2)	(3)
2. आन्ध्र प्रदेश-1	हैदराबाद	1) सिकिल 3, हैदराबाद 2) महबूब नगर 3) कुरनूल 4) नन्द्याल 5) कम्पनी सिकिल, हैदराबाद 6) वेतन सिकिल, हैदराबाद 7) विशेष सिकिल, 1, हैदराबाद 8) विशेष सिकिल, 2, हैदराबाद 9) परियोजना सिकिल, हैदराबाद। 10) श्रीकाकुलम 11) विजयनगरम। 12) विशाखापटनम। 13) एनाकापल्ली। 14) राजमुन्त्री। 15) अमालपुरम। 16) विशेष सिकिल, 3, हैदराबाद 17) सिकिल-1 काकीनाडा। 18) सिकिल-2, काकीनाडा 19) तनूक। 20) पलाकोल। 21) एलुद। 22) मछलीपटनम। 23) गुड्डीवाड़ा। 24) सम्पदा एवं आय कर सिकिल, हैदराबाद। 25) सम्पदा शुल्क एवं आयकर सिकिल, गुन्तूर। 26) सम्पदा शुल्क एवं आयकर सिकिल, काकीनाडा।
2 क. आन्ध्र प्रदेश-2	हैदराबाद	1) सिकिल, 1 हैदराबाद 2) वारंगल 3) खम्पम 4) करीम नगर 5) सिकिल-2, हैदराबाद 6) संगरेड्डी 7) निजामाबाद 8) निर्मल

1

2

3

- 9) निल्लोर
- 10) गुन्तूर
- 11) विजयवाड़ा
- 12) बाँपनला
- 13) तेनली
- 14) अनन्तपुर
- 15) हिन्दुपुर
- 16) अदोनी
- 17) चित्तूर
- 18) तिरुपति
- 19) प्रोड्डासूर
- 20) कुड्डप्पा

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1974 से प्रवृत्त होगी।

[संख्या 526]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, 24th December, 1973

INCOME—TAX

S.O. 658.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 163 (F.No. 187/3/70-IT (AI) dated 23rd August, 1972.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S. Nos. 2 and 2A shall be substituted by the following entries.

Income-tax Commissioners	Head quarters	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
2. Andhra Pradesh-I	Hyderabad	(1) Circle-III Hyderabad. (2) Mahaboobnagar, (3) Kurnool. (4) Nandyal. (5) Company Circle, Hyderabad. (6) Salary Circle, Hyderabad. (7) Special Circle, I, Hyderabad. (8) Special Circle, II, Hyderabad. (9) Project Circle, Hyderabad. (10) Srikakulam. (11) Vizianagaram. (12) Visakhapatnam (13) Anakapalle. (14) Rajahmundry. (15) Amalapuram. (16) Special Circle III, Hyderabad. (17) Circle-I, Kakinada. (18) Circle-II, Kakinada. (19) Tanuku. (20) Palacole. (21) Eluru. (22) Machilipatnam. (23) Gudivada. (24) Estate-cum-I.T. Circle, Hyderabad. (25) Estate Duty cum I.T. Circle, Guntur.

1	2	3
		(26) Estate Duty-cum-I.T. Circle, Kakinada.
2A. Andhra Pradesh II	Hyderabad	(1) Circle-I, Hyderabad. (2) Warangal. (3) Khammam. (4) Karimnagar. (5) Circle-II, Hyderabad. (6) Sangareddy. (7) Nizamabad. (8) Nirmal. (9) Nellore. (10) Guntur. (11) Vijayawada. (12) Bapatla. (13) Tenali. (14) Anantapur. (15) Hindupur. (16) Adoni. (17) Chittoor. (18) Tirupati. (19) Proddatur. (20) Cuddapah.

This notification shall take effect from 1st January, 1974.

[No. 526]

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1973

आय कर

का० आ० 659.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 11 मई, 1963 के पृष्ठ 1454—1458 पर का० आ० 1293 के रूप में प्रकाशित समय-समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 20 (फा० सं० 55/1/62-आई टी) तारीख 30 अप्रैल, 1963 से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करना है :—

क्र० सं० 13 और 13क के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी :—

आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3
13. पटियाला	पटियाला	1. जिला 1 और 2, पटियाला। 2. सम्पदा शुल्क एवं आयकर मकिल, पटियाला। 3. संगरूर। 4. करनाला। 5. मलेरकोटला। 6. जिला 1 और 2, चण्डीगढ़। 7. जिला 1 और 2, लुधियाना। 8. खजाना। 9. केन्द्रीय मकिल, भुवनेश्वर और लुधियाना (जिसमें केन्द्रीय मकिल 7 लुधियाना मुख्यालय श्रीनगर भी सम्मिलित है)।

1	2	3
		10. रोहतक। 11. कम्पनी बाई, रोहतक। 12. मोनीपत। 13. गुड़गांव। 14. नारनौल। 15. रिवाड़ी। 16. मिरसा। 17. हिसार। 18. जीन्व। 19. फरीदाबाद। 20. सम्पदा शुल्क एवं आयकर मकिल, गुड़गांव। 21. भ्रम्बाला। 22. करनाल। 23. पानीपत। 24. यमुनानगर। 25. शिमला। 26. मंडी। 27. कांगड़ा, छम्ब, हमीरपुर और ऊना जिले, पठानकोट।

13क भुवनेश्वर

भुवनेश्वर

- जिला 1, भुवनेश्वर।
- जिला 2, भुवनेश्वर।
- बटाला।
- गुरदासपुर।
- जिला 1, जालन्धर।
- जिला 2, जालन्धर।
- सम्पदा शुल्क एवं आयकर मकिल, श्रीनगर।
- वेतन मकिल, श्रीनगर।
- सम्पदा शुल्क एवं आयकर मकिल, श्रीनगर।
- श्रीनगर।
- जम्मू।
- पठानकोट।
- भटिन्डा।
- फिरोजपुर।
- मोगा।
- अबोहर।
- होशियारपुर।

परन्तु यह कि केन्द्रीय मकिल, श्रीनगर को आयकर आयुक्त भुवनेश्वर की अधिकारिता में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

यह अधिसूचना 15-1-1973 से प्रवृत्त होगी।

[सं० 530 फा० सं० 187/21/72-आई टी (ए आई)]

New, Delhi, the 28th December, 1973.

INCOME TAX

S. O. 659.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its in notification No. 20 (F.NO. 55/1/62-IT) dated the 30th April, 1963, published as S.O. 1293 on pages 1454—1457 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, sub-section (ii) dated the 11th May, 1963, as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S.Nos. 13 and 13-A shall be substituted by the following entries:

Income-tax Commissioners	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3
13. Patiala	Patiala	1. Distts. I & II, Patiala. 2. Estate Duty-cum-Income Tax Circle, Patiala. 3. Sangrur. 4. Barnala. 5. Malerkotla. 6. Distts. I & II, Chandigarh. 7. Distts. I & II, Ludhiana. 8. Khanna. 9. Central Circles at Amritsar and Ludhiana (including Central Circle-VII, Ludhiana with Headquarters at Srinagar). 10. Rohtak. 11. Companies Ward, Rohtak. 12. Sonipat. 13. Gurgaon. 14. Narnaul. 15. Rewari. 16. Sirsa. 17. Hissar. 18. Jind. 19. Faridabad. 20. Estate Duty-cum-Income Tax Circle, Gurgaon. 21. Ambala. 22. Karnal. 23. Panipat. 24. Yamunanagar. 25. Simla. 26. Mandi. 27. Kangra, Chamba, Hamirpur and Una Districts at Pathankot.

1	2	3
13.A Amritsar	Amritsar	1. Distt. I, Amritsar. 2. Distt. II, Amritsar. 3. Batala. 4. Gurdaspur. 5. Distt. I, Jullundur. 6. Distt. II, Jullundur. 7. Estate Duty-cum-Income Tax Circle, Jullundur. 8. Salary Circle, Srinagar. 9. Estate Duty-cum-Income Tax Circle, Srinagar. 10. Srinagar. 11. Jammu. 12. Pathankot. 13. Bhatinda. 14. Ferozepur. 15. Moga. 16. Abohar. 17. Hoshiarpur.

Provided that Central Circle at Srinagar will not be included in the Jurisdiction of Commissioner of Income-tax, Amritsar.

This notification shall take effect from 15-1-1974.

[No. 530 F.No. 187/21/72.UT(AI)]

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1974

आय कर

कां०आं० 660.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रबन्धन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि इस बाबत पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं को अतिरिक्त करते हुए आय-कर आयुक्त, प्रभूतसर तथा पटियाला संपरीक्षा कार्य से संबंधित कृत्यों का पालन नहीं करेगा और अपर आय-कर आयुक्त पटियाला, प्रभूतसर तथा पटियाला भागमाधनों की बाबत उपर्युक्त कृत्यों का पालन करेगा।

यह अधिसूचना 15-1-1974 से प्रवृत्त होगी।

[सं० 542 फा० सं 187/21/72-आई टो (ए आई)]

बी० बी० श्रीनिवासन, अधर सचिव।

New Delhi, the 10th January, 1974

INCOME TAX

S.O. 660.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby directs that in supersession of the earlier Notifications in this respect the Commissioner of Income-tax, Amritsar and Patiala shall not perform the functions relating to audit work and the Additional Commissioner of Income-tax, Patiala shall perform the aforesaid functions in respect of Amritsar and Patiala Charges.

This notification shall take effect from 15-1-1974.

[No. 542 F.No. 187/21/72-IT(AI)]

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतलय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

बम्बई, 16 फरवरी, 1974

का० प्रा० 661.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 233 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा इस समाहृतलय अधिसूचना केन्द्रीय उत्पाद शुल्क संख्या सी० ई० आर०/233/1/1973 दिनांक 20 फरवरी, 1973, को रद्द करते हुए मैं एतद्वारा इस समाहृतलय में उत्पाद-शुल्क योग्य माल के उन सभी उत्पाद शुल्क बाताओं को, जिन पर भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 171/69 सी० ई० दिनांक 21 जून 1969, जो अधिसूचना संख्या 121/70 सी० ई० दिनांक 28 मई, 1970, संख्या 179/71 सी० ई० दिनांक 23 सितम्बर, 1971, संख्या 117/72 सी० ई० दिनांक 25 मार्च, 1972 तथा संख्या 161/73 सी० ई० दिनांक 16 अगस्त, 1973 के साथ पड़ी जानी है तथा जो अधिसूचना संख्या 200/72 सी० ई० दिनांक 21 सितम्बर, 1972 से संशोधित की गई है, द्वारा अधिसूचित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के अध्याय सप्तम-ए में वर्णित स्वनिर्धारण पर निकासी की कार्यविधि लागू की गई है, निर्देश देता हूँ कि वे बजट-दिन से एक दिन पूर्व सायं 6 बजे के तुरन्त पश्चात् निम्न सूचना का उल्लेख करते हुए संलग्न प्रपत्र में समुचित अधिकारी को प्रतिलिपि के साथ क्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभारी अधीक्षक को घोषणा की जानकारी दे :—

(अ) बजट-दिन से एक दिन पूर्व सायं 6 बजे तक उनके द्वारा किये गये अन्तिम गेट पास (जी० पी० 1/जी०पी० 2) की क्रमांक संख्या।

(ब) उस दिन सायं 6 बजे उनके पास शेष बचा माल।

अधीक्षक को सम्बोधित इस प्रकार की घोषणा एक प्रतिलिपि सहित मुद्रांकित आवरण में बजट-दिन पर निकासी देने हेतु विशेष रूप से नियुक्त किसी एक फैंकटरी अथवा फैंकटरी समूह के प्रभारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी को सौंप दी जाये।

[संख्या सी० ई० आर०/233/1/1974—का० सं० बी-6(8)/2/74]

हु० श्री० दिलिपसिंहजी, समाहर्ता।

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE
CENTRAL EXCISE

Bombay, the 16th February, 1974

S.O. 661.—In exercise of the powers conferred on me by Rule 233 of Central Excise Rules, 1944, and in supersession of this Collectorate Notification Central Excises No. CER/233/1/1973, dated the 20th February, 1973, I hereby direct all the assesses of excisable goods in this Collectorate to whom self removal procedure has been extended, as laid down in Chapter VII-A of the Central Excise Rules, 1944, notified under Government of India's Notification No. 171/69-CE, dated the 21st June, 1969 as amended by Notification No. 200/72-CE, dated the 21st Sep., 1972 read with Notification No. 121/70-CE, dated the 28th May, 1970, No. 179/71-CE dated the 23rd Sept., 1971, No. 117/72-CE, dated the 25th March, 1972 and No. 161/73-CE, dated the 16th August, 1973, that they shall intimate immediately after 6.00 P.M. on the day prior to the Budget Day, to the Superintendent of Central Excise incharge of the Range, with a copy to the proper officer, a declaration, in the appended form furnishing the following information :—

- (a) the number of last gate pass (G. P. 1 & G. P. 2) issued by them up to 6.00 P.M. on the day prior to the Budget day.
- (b) the closing balance of stocks held by them at 6.00 P.M. on that day.

Such a declaration addressed to the Superintendent in a sealed cover along with a copy thereof shall be handed over to the Central Excise Officer, specially posted in charge of the factory or incharge of a group of factories for giving clearances on the Budget Day.

[No. CER/233/1/1974—F. No. V-6(8)/2/74]

K. S. DILIPSINHJI, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1974

का० प्रा० 662.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1964 के साथ पठित निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, 1 जनवरी, 1974 से एक वर्ष की अवधि के लिए निर्यात निरीक्षण परिषद् के अध्यक्ष के रूप में श्री बी० शंकर को नियुक्त करती है और निम्नलिखित को सदस्यों के रूप में नामित करती है :—

1. निदेशक, निरीक्षण तथा क्वालिटी नियंत्रण, वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली।
2. निदेशक, भारतीय मानक संस्थान, नई दिल्ली।
3. उप-महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली।
4. महानिदेशक, वाणिज्यिक जानकारी तथा श्रृंखला संकलन, कलकत्ता।
5. संयुक्त सचिव (एगमार्क के कार्यभारी), कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली।
6. कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार।
7. सचिव, वस्त्र समिति, बम्बई।
8. उप-महानिदेशक (निरीक्षण) संभरण तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली।
9. श्री ए० आर० भट्ट, अध्यक्ष, लघु उद्योग संघ का फेडरेशन।
10. अध्यक्ष, समुद्री खाद्य पदार्थ निर्यातक संघ, कोचीन।
11. डा० आर० सी० भसीन, मैसर्स बेरेयूटिक्स केमिकल रिसर्च, कारपोरेशन, बम्बई।
12. श्री बी० एच० पंचोली, फिल्को प्राइवेट लि०, सेवरी, बम्बई।
13. डा० जे० राजाराम, मैसर्स एसेन एण्ड कं०, बंगलौर।
14. विकास आयुक्त, लघु उद्योग।
15. अध्यक्ष, भारतीय निर्यात संगठनों का संघ।

[सं० 3/45/73-ई०आई०ई०पी०]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 9th March, 1974

S.O. 662.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read with Rule 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government hereby appoints Shri V. Shankar, as Chairman, and nominates the following as Members of the Export Inspection Council for a period of one year with effect from 1st January, 1974 :—

1. Director of Inspection and Quality Control, Ministry of Commerce, New Delhi.
2. Director General of Indian Standards Institution, New Delhi.
3. Deputy Director General of Technical Development, New Delhi.
4. Director General of Commercial Intelligence & Statistics, Calcutta.
5. Joint Secretary (in charge of Agmark), Ministry of Agriculture, New Delhi.
6. Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

7. Secretary, Textiles Committee, Bombay.
8. Deputy Director General (Inspection), D.G.S. & D., New Delhi.
9. Shri A. R. Bhat, President, Federation of Association of Small Industries.
10. Chairman Seafood Exporters Association, Cochin.
11. Dr. R. C. Amin, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation, Bombay.
12. Shri V. H. Pancholi of Filco Private Ltd., Sewri, Bombay.
13. Dr. J. Rajaram, M/s. Essen & Co., Bangalore.
14. Development Commissioner for Small Scale Industries.
15. Chairman, Federation of Indian Exports Organisations.

[No. 3(45)/73-EI&EP]

प्रावेश

का० प्रा० 663.—भारत रक्षा नियम 1971 के नियम 151 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, श्री राजनारायण शर्मा, भ्रवर सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, गृह (वीसा) अनुभाग, लखनऊ, को शत्रु सम्पत्ति के उप-अभिरक्षक के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है।

[सं० 12/24/73-ई आई ई पी]

एम० के० बी० भटनागर, भ्रवर सचिव

ORDER

S.O. 663.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (i) of rule 151 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby appoints Shri Raj Narain Sharma, Under Secretary, Government of Uttar Pradesh, Home (Visa) Section, Lucknow, as Deputy Custodian of Enemy Property.

[No. 12(24)/73-EI&EP]

M. K. B. BHATNAGAR, Under Secy.

(आन्तरिक व्यापार विभाग)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1974

का० प्रा० 664.—केन्द्रीय सरकार, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, ईस्ट इंडिया जूट एण्ड हेमन एक्सचेंज लिमिटेड, 43, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता द्वारा अधिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन किये गए मान्यता के नवीकरण के लिये आवेदन पर विचार कर लेने पर और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त एक्सचेंज को, पश्चिम बंगाल, बिहार, असम मेघालय, उड़ीसा और त्रिपुरा राज्यों और अरुणाचल प्रदेश तथा मिजोरम के संघ राज्य क्षेत्रों में कच्चे जूट (जिसमें मेस्टा सम्मिलित है) में अधिम संविदाओं की बाबत 28 मार्च, 1975 को समाप्त होने वाली एक वर्ष की और कालावधि के लिये एतद्वारा मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्वधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जायें।

[फाइल सं० 12(1)-आई टी/74-I]

(Department of Internal Trade)

New Delhi, 27th February, 1974

S.O. 664.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952, (74 of 1952) by the East India Jute and Hessian Exchange Limited, 43, Netaji Subhas Road, Calcutta, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year ending with the 28th March, 1975, in respect of forward contracts in raw jute (including mesta) in the State of West Bengal, Bihar, Assam, Meghalaya, Orissa and Tripura and that Union Territories of Arunachal Pradesh and Mizoram.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(1)-IT/74-I]

का० प्रा० 665.—केन्द्रीय सरकार, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, ईस्ट इंडिया जूट एण्ड हेमन एक्सचेंज लिमिटेड, 43 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता द्वारा अधिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन किये गए मान्यता के नवीकरण के लिये आवेदन पर विचार कर लेने पर और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त एक्सचेंज को कलकत्ता नगर में जूट माल (किसी भी प्रकार की किसी मिल या किसी अन्य विनिर्माता द्वारा जूट से, बनाये गए हेमन और बोरियां बनाने के कपड़े या बोरे या बोनो, टुआइन या सूत या दोनों) में अधिम संविदाओं की बाबत 28 मार्च, 1975 को समाप्त होने वाली एक वर्ष की और कालावधि के लिये एतद्वारा मान्यता प्रदान करती है।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना में, 'कलकत्ता नगर' पद से अभिप्रेत है—

(1) कलकत्ता नगर पालिका, अधिनियम 1951 (पश्चिम बंगाल अधिनियम 1951 का 33) की धारा 5 के खण्ड (II) में यथा परिभाषित कलकत्ता तथा उसके साथ हेस्टिंग्स नार्थ या क्लाइड रो का साउथ सिरा और नदी तट तक स्ट्रैट रोड और वे क्षेत्र जो एतदपूर्व अब समाप्त टालीगंज नगरपालिका के अंतर्गत थे :

(2) कलकत्ता पत्तन, और

(3) 24 परगना जिला, नादिया, हाबड़ा और हुगली ।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्वधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिये जाएं ।

[फाइल सं० 12 (1) आई टी /74-2]

यू० एस० राणा, संयुक्त निदेशक

S.O. 665.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952, (74 of 1952), by the East India Jute and Hessian Exchange Limited, 43, Netaji Subhas Road, Calcutta, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year

ending with the 28th March, 1975, in respect of forward contracts in **jute goods** (hessian and sacking cloth or bag or both, twines or yarns or both manufactured by any of the mills or any other manufactures of whatever nature made from jute) in the city of Calcutta.

Explanation :—In this notification, the expression "City of Calcutta" means :—

- (1) Calcutta as defined in Clause (ii) of Section 5 of the Calcutta Municipal Act, 1951, (West Bengal Act, 33 of 1951), together with part of Hastings North or South edge of Clyde Row and Strand Road to the river bank and the areas which were previously under the now defunct Tollygunge Municipality.
- (2) The port of Calcutta; and
- (3) The District of 24 Parganas, Nadia, Howrah and Hooghly.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(1)-IT/74-II]

U. S. RANA, Joint Director

(संयुक्त-सुख निर्यात, आयात-निर्यात का कार्यालय)

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

आदेश

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1973

का० प्रा० 666.—सर्वश्री प्रेरणा इन्डस्ट्रीज, मोती चौक, जोधपुर (राजस्थान) का ए० पी० शीट्स पर्सेन्ट किस्म, ऐक्रिक प्लास्टिक मोल्डिंग पाउडर आदि के आयात के लिये 5,000 रु० का एक आयात लाइसेंस संख्या : पी/एस/1713192, दिनांक 30-3-72 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने बताया है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण तथा सीमाशुल्क प्रयोजन सम्बन्धी दोनों प्रतियां बिना उपयोग किये ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई हैं।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैंड बुक 1972-73 की कंडिका 318(2) के अन्तर्गत यथा अपेक्षित एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण तथा सीमाशुल्क प्रयोजन प्रतियां खो गई/अस्थानस्थ हो गई हैं।

आयात व्यापार नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सीसी) द्वारा भेरे लिये प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर मैं लाइसेंस संख्या 1713192, दिनांक 30-3-72 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण तथा सीमाशुल्क प्रयोजन प्रतियों को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

[सं० एनपी/पी/15/एम-73/एयू-राज तथा एडहो/सीएलए/3165]

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 7th November, 1973

S.O. 666.—M/s. Prerna Industries, Moti Chowk, Jodhpur (Raj.) were granted import licence No. P/S/1713192 dt. 30-3-1972 for Rs. 5,000/- for import of A. P. Sheets Perseant Variety, Acrylic Plastic Moulding Powder etc. They have stated that both the copies of Exchange Control & Customs purposes have been lost/misplaced without having been utilised.

The applicant have filed an affidavit in support of their contention as required under para 318(2) of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1972-73. I am satisfied that the Original Exchange Control and Customs purpose copies have been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(CC) Import Control order, 1955, dt. 7th December, 1955, I order the cancellation of Exchange Control and Customs purposes copies of licence No. 1713192 dt. 30-3-1972.

[File No. NP/P-15/AM-73/AU. Raj. & Adhoc/CLA/3165]

आदेश

का० प्रा० 667.—सर्वश्री आयुर्वेद सेवाश्रम प्रा० लि०, स्टेशन रोड, उदयपुर (राजस्थान) को अप्रैल-मार्च 72 अवधि के लिये सामान्य मुद्रा क्षेत्र से (1) प्रतिबन्धित से भिन्न सुगन्धित रसायनों और (2) निषेध तथा प्रतिबन्धित से भिन्न प्राकृतिक सगन्ध तेलों के आयात के लिये 67,197 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1715743 दिनांक 20-7-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति 50,427 रुपये का उपयोग कर लेने के बाद और उस पर 16,770 रुपये का उपयोग करना शेष रहने के बाद खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक 1973-74 के पैरा 320(2) के अन्तर्गत यथा-अपेक्षित एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7 दिसम्बर, 1955 के खण्ड 9 (सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं लाइसेंस सं० पी/एस/1715 सी/एसएस एक्स/डी/33-34 दिनांक 20-7-72 की सीमाशुल्क निकासी प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक 1973-74 के पैरा 320(4) की शर्तों के अनुसार इस लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी की जा रही है।

[संख्या : एन पी/ए-18/ए एम-72/ए यू० राज एन्ड एडहो/सी एल ए/3205]

ORDER

S.O. 667.—M/s. Ayurved Sevashram Pvt. Ltd., Station Road, Udaipur (Raj.) were granted import licence No. P/S/1715743 dt. 20-7-1972 for Rs. 67,197 for Import of (1) Aromatic Chemicals other than banned & (2) Natural Essential Oil other than banned & restricted from General Currency Area for AM-72 period. They have applied for issue of duplicate copy of Customs purposes copy thereof on the ground that it has been lost/misplaced after having been utilised to the extent of Rs. 50,427/-, with a un-utilised balance of Rs. 16,770.

The applicant have filed an affidavit in support of their contention as required under para 320(2) of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1973-74. I am satisfied that the Original Custom purposes copy has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(CC) Import Control Order, 1955, dt. 7th Dec. 1955, I order the cancellation of Customs Purpose copy of licence No. P/S/1715743/C/XX/D/33-34 dated 20-7-1972.

The applicant is now being issued a duplicate Custom purpose copy of this licence in accordance with the Provisions of para 320(4) of I.T.C. Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74.

[File No. NP/A-18/AM-72/AU. Raj. & Adhoc/CLA/3205]

आदेश

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

का० प्रा० 668.—सर्वश्री मीना इन्डस्ट्रीज संख्या 2 जी अस्सीसर हाउस, संसार चन्द्र रोड, जयपुर (राज०) को (1) शंग विरोधी हस्तात पाइपें तथा दूसरे मूल्य 500 रु० तक, (2) इलेक्ट्रिकल ग्रेड फाफ्ट कागज, (3) 1/32 इन्च की मोटाई तथा इससे कम के प्रैसफान कागज (4) ऐस्बेस्टास आधार वाले उत्पाद 250 रु० तक के आयात के लिये

5000 रु० का एक आयात लाइसेंस संख्या : पी/एस/1730760/सी, दिनांक 15-3-72 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि यह बिना उपयोग किये ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैंड बुक 1972-73 की कड़िका 318(2) के अन्तर्गत प्रेषित एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9(सीसी) के अन्तर्गत मेरे लिये प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर मैं लाइसेंस संख्या : पी/एस/1730760/सी, दिनांक 15-3-72 की सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

आवेदक को अब आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैंड बुक, 1972-73 की कड़िका 318(4) की व्यवस्था के अनुसार उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्ध प्रति जारी की जा रही है।

[सं० पी/एम-9 (एन)/ए.एम/72/एयू० राज०एड एडहोक/सीएसए/3568]

ORDER

New Delhi, the 28th November, 1973

S.O. 668.—M/s. Mina Industries, No. 2-B, Alsisar House Sansar Chandra Road, Jaipur (Raj.) were granted import licence No. P/S/1730760/C dt. 15-3-1972 for Rs. 5,000/- for import of (1) Stainless Steel Pipes & Tubes upto Rs. 500/-. (2) Electrical Grade Craft Paper, (3) Press-pahn Paper of 1/32 Inches thickness and below & (4) Asbestos Based products upto Rs. 250/-. They have applied for issue of duplicate copy of Custom Purpose copy thereof on the ground that it has been lost/misplaced without having been utilised.

The applicant have filed an affidavit in support of their contention as required under para 318(2) of I.T.C. Hand Book of Rules & Procedure, 1972-73. I am satisfied that the Original Customs Purposes Copy has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(CC) Import Control Order, 1955, dt. 7th Dec. 1955, I order the cancellation of Customs Purpose Copy of licence No. P/S/1730760/C dt. 15-3-1972.

The applicant is now being issued a duplicate copy of Customs Purposes copy of this licence in accordance with the provision of para 318(4) of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1972-73.

[File No. P/M-9(N)/AM-72/AU. Raj. & Adhoc/CLA/3568]

आदेश

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1973

का० प्रा० 669.—सर्वश्री जिनवल परफ्युमरी वर्क्स, 36-गंगवाल पार्क, जयपुर (राज०) को (1) अप्रैल-मार्च-73 के रेडबुक वा० 1 की शर्तों के अनुसार प्रनिबंधित और निषेध को छोड़कर अन्य संग्रह रसायनों (2) 500 रुपये तक अप्रैल-मार्च, 73 के रेडबुक वा० 1 की शर्तों के अनुसार प्राकृतिक सुगंधित तेल के आयात के लिए 5000 रु० के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/एस/1776933 दिनांक 31-5-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने सूचना दी है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आवेदक ने अपने तर्क के समर्थन में आयात व्यापार नियंत्रण हैंड बुक क्रियाविधि, 1973-74 की कड़िका 320(2) के अन्तर्गत यथा प्रेषित एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7 दिसम्बर 1955 की धारा 9(सी०सी०) के अन्तर्गत मेरे लिए प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर 5000 रु० के लिए लाइसेंस संख्या पी/एस०/1776933 दिनांक 31-5-72 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

[संख्या एन०पी०/जे० 11/ए० एम०-73/ए० यू० राज एड एडहोक/सी एस०ए०/3977]

के० आर० धीर,

उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 22nd December, 1973

S.O. 669.—M/s. Jindal Perfumery Works, 36-Gangwal Park, Jaipur-4 (Raj.) were granted import licence No. P/S/1776933 dt. 31-5-1972 for Rs. 5,000/- for import of (1) Aromatic Chemicals other than restricted & banned as per, AM-73 Red Book Vol. I, (2) Permissible natural Essential Oil as per AM-73 Red Book Vol. 1 upto Rs. 500/-. They have not intimated that original Exchange Control copy of above mentioned licence has been lost/misplaced without having been utilised.

The applicant have filed an affidavit in support of their contention as required under para 320(2) of I.T.C. Hand Book of Rules & Procedure, 1973-74. I am satisfied that the Original Exchange Control copy has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(CC) Import Control Order, 1955 dated 7th December, 1955, I order the cancellation of Exchange Control copy of licence No. P/S/1776933 dt. 31-5-1972 for Rs. 5,000/-

[No. NP/J-11/AM-73/AU. Raj & Adhoc/CLA/3977]

K. R. DHEER, Dy. Chief Controller

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली 16 फरवरी, 1974

का० प्रा० 670.—वि जीफ इंजीनियर (इलेक्ट्रिसिटी) केरल राज्य इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड त्रिवेन्द्रम-1 को ग्यारहवें येन मेडिट के अन्तर्गत टरबाइन तथा जनित के फालतू पुर्जों के आयात के लिए 2,54,168 रु० का आयात लाइसेंस संख्या: जी/एच/2075302/एस/जेएन/43/एच/35, दिनांक 10-7-72 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह बताया गया है कि उक्त सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत किए बिना और उसका बिनाकुल उपयोग किए बिना ही खो गई थी।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। अगोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस संख्या : जी/एच/2075302/एस/जेएन/एच/35, दिनांक 10-7-72 की मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति खो गई है और निवेश देता है कि उन्हें लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति जारी की जानी चाहिए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति एतद् द्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या : सीजी-2/एचईपी/के-3/72-73]

ए० आर० गोलदार,

उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

आदेश

ORDER

New Delhi, the 16th February, 1974

S.O. 670.—The Chief Engineer (Electricity), Kerala State Electricity Board, Trivandrum-1 was granted Import licence No. G/H/2075302/S/JN/43/H/35 dt. 10-7-72 for Rs. 2,54,168 under Eleventh Yen Credit, for import of spares for Turbine and Generator. They have requested for the issue of duplicate copy of custom purposes copy of the licence on the ground that original custom purposes copy has been lost. It has been further reported by the licensee that the said custom purposes copy was lost without having been registered with any customs authorities and utilised at all.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original custom purposes copy of Import licence No. G/H/2075302/S/JN/H/35 dt. 10-7-72 has been lost and directs that a duplicate custom purposes copy of the licence should be issued to them. The original custom purposes copy of the said licence is hereby cancelled.

[No. CGII/HEP/K-3/72-73]

A. R. GOLDAR, Dy. Chief Controller
for Chief Controller of Imports & Exports

आदेश

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1974

का.प्र. 671.—सर्वश्री डिक्लू कारपोरेशन, 44 कावसजी पटेल स्ट्रीट, बम्बई को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से बैगनास्टिक एजेंट्स के आयात के लिए लागत बीमा भाड़ा मूल्य 10,000/- रुपये के लिए लाइसेंस संख्या: पी/एफ/2024449/सी/एक्सएक्स/47/एच/37-38/एमएल-2, दिनांक 25-5-73 प्रदान किया गया था। अब, उन्होंने मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उनसे आवागमन में मूल लाइसेंस दो प्रतियों में अस्थानस्थ/खो गया है। विषयाधीन लाइसेंस का ना तो उपयोग ही किया गया है और न ही उसे किसी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराया गया है।

अपने उपर्युक्त तर्कों के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस (दोनों प्रतियों में) संख्या पी/एफ/202449, दिनांक 25-5-73 खो/अस्थानस्थ हो गया है और आवेदक देता हूँ कि उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जाएं तथा मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती हैं।

[संख्या 114/एसए/72-73/एमएल-2/2714]

ORDER

New Delhi, the 21st February, 1974

S.O. 671.—M/s. Decruz Corporation 44 Cawasji Patel Street, Bombay were granted licence No. P/F/2024449/C/XX/47/H/37-38/ML-II dated 25-5-73 for the import of Diagnostic Agents for a C.I.F. Value of Rs. 10,000 from G.C.A. They have now requested for the issue of Duplicate copies of the E.C. Copy/Custom Purpose Copy on the ground that the original licence in duplicate has been misplaced/lost in transit by them. The licence in question has neither been utilised not registered with any Customs Authority.

In support of their above said contention the applicants have submitted an affidavit. I am satisfied that the original licence (both copies) No. P/F/2024449 dt. 25-5-73 has been lost/misplaced and order that a duplicate copies of the said licence may be issued to the applicant and that the original E.C./Custom copy are cancelled.

[F. No. 114/SA/72-73/ML-II/2714]

का.प्र. 672.—सर्वश्री डिक्लू कारपोरेशन, 44, कावसजी पटेल स्ट्रीट, बम्बई को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से क्लिनिकल टेस्ट किट्स के आयात के लिए लागत बीमा भाड़ा मूल्य 5000 रुपये के लिए लाइसेंस संख्या पी/एफ/2024805/सी/एक्सएक्स/47/एच/37-38/एमएल-2, दिनांक 15-6-73, प्रदान किया गया था। अब, उन्होंने मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उन से आवागमन में मूल लाइसेंस दो प्रतियों में अस्थानस्थ/खो गया है। विषयाधीन लाइसेंस का न तो उपयोग ही किया गया है और न ही उसे किसी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराया गया है।

अपने उपर्युक्त तर्कों के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस (दोनों प्रतियों में) संख्या पी/एफ/2024805 दिनांक 15-6-73 खो/अस्थानस्थ हो गया है और आवेदक देता हूँ कि उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जाएं तथा मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या 99/एसए/72-73/एमएल-2/2719]

ORDER

S.O. 672.—M/s. Decruz Corporation, 44 Cawasji Patel Street, Bombay, were granted Licence No. P/F/2024805/C/XX/47/H/37-38/ML-II dated 15-6-73 for the import of Clinical Test Kits for a C.I.F. Value of Rs. 5,000 from G.C.A. They have now requested for the issue of Duplicate copies of the E.C. Copy/Custom Purpose copy on the ground that the original licence in duplicate has been misplaced/lost in transit by them. The licence in question has neither been utilised not registered with any Customs Authority.

In support of their above said contention the applicants have submitted an affidavit. I am satisfied that the original licence (Both Copies) No. P/F/2024805/dt. 15-6-73 has been lost/misplaced and order that a duplicate copies of the said licence may be issued to the applicant and that the original E.C./Custom copy are cancelled.

[File No. 99/SA/72-73/ML-II]

आदेश

का.प्र. 673.—सर्वश्री डिक्लू कारपोरेशन, 44 कावसजी पटेल स्ट्रीट, बम्बई को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से संलग्न सूची के अनुसार पशुपालन उपकरण के आयात के लिए लागत बीमा भाड़ा मूल्य 1,00,000 रुपये के लिए लाइसेंस संख्या पी/एफ/2024801/सी/एक्सएक्स 47/37-38/एमएल-2, दिनांक 26-5-73 प्रदान किया गया था। अब, उन्होंने मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति/सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रतियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उनसे आवागमन में मूल लाइसेंस दो प्रतियों में अस्थानस्थ/खो गया है। विषयाधीन लाइसेंस का ना तो उपयोग ही किया गया है और न ही उसे किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराया गया है।

अपने उपर्युक्त तर्कों के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस दोनों प्रतियों में, संख्या पी/एफ/2024801/सी/एक्सएक्स/दिनांक 26-5-73 खो/अस्थानस्थ हो गया है और आवेदक देता हूँ कि उक्त लाइसेंस की दोनों प्रतियों के लिए अनुलिपि लाइसेंस आवेदक को जारी की जाएं तथा मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति और सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या 42/एसए/72-73/एमएल-2/2724]

सरबल सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 673.—M/s. Decruz Corporation, 44 Cawasji Patel Street, Bombay, were granted licence No. P/F/2024801/C/XX/47/37-38/ML-II dated 26-5-73 for the import of Veterinary Preparations as per list attached for a C.I.F. Value of Rs. 1,00,000 from G.C.A. They have now requested for the issue of Duplicate copies of the Exchange Control Copy/Custom Purpose copies on the ground that the original licence in duplicate has been misplaced in transit by them. The licence in question licence has neither been utilised nor registered with any Customs Authority.

2. In support of their above said contention the applicants have submitted an affidavit. I am satisfied that the original licence in duplicate No. P/F/2024801/C/XX/dated 26-5-73 been lost/misplaced and order that a duplicate licence for both copies of the said licence may be issued to the applicant and that the original E.C. Copy and Custom Purpose Copy are cancelled.

[F. No. 42/SA/72-73/ML-II]

SARDUL SINGH, Dy. Chief Controller

आवेष्ट

क्रा० प्रा० 674.—सर्वश्री बोह्रिंगर नोल लि०, बम्बई को पश्चिम जर्मनी क्रेडिट के अन्तर्गत कच्चे माल के आयात के लिए 5,88,600 रु० का एक लाइसेंस सं० पी/डी/1376516 दिनांक 2-2-73 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने इस कार्यालय को लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति खो गई है। उन्होंने भारो यह बताया है कि मूल सीमाशुल्क प्रति 3,23,083 रु० के लिये उपयोग करने और शेष 2,65,517 रु० को छोड़कर खो गई है और सीमाशुल्क कार्यालय बम्बई में पंजीकृत कराया गया था।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि मूल लाइसेंस सं० पी/डी/1376516 दिनांक 2-2-73 खो गया है और निदेश देना है कि उन्हें उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या सी एच/बी-58(4)/ए०एम० 73/आर०एम० 3/2141]

ORDER

S.O. 674.—M/s. Boehringer-Knoll Limited, Bombay were granted licence No. P/D/1376516 dated 2-2-73 for import of raw materials valued at Rs. 5,88,600 under West Germany Credit. They have requested this office for issue of duplicate Custom copy of the licence on the ground that the original Customs copy of the licence has been lost. They have further stated that the original Custom copy has been lost after utilising it for Rs. 3,23,083 leaving a balance of Rs. 2,65,517 and that the licence had been registered with the Customs House, Bombay.

2. In support of their contention, the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Custom copy of the licence No. P/D/1376516 dated 2-2-73 has been lost and directs that duplicate Custom copy of the said licence should be issued to them. The original Custom copy is cancelled.

[Ref. No. Ch/B-58(4)/A.M.73/R.M.3/2141]

आवेष्ट

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1974

क्रा० प्रा० 675—सर्वश्री बोह्रिंगर-नोल लिमिटेड, बम्बई को सामान्य मुद्रा क्षेत्र के अन्तर्गत एक लाइसेंस सं० पी/डी/2192509 दिनांक 27-3-73

145 G of 1/73—3

इसमें संलग्न सूची में दिए गए कच्चे माल के आयात के लिए प्रदान किया गया था; उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस कार्यालय से इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति सीमाशुल्क कार्यालय बम्बई में पंजीकृत करने के बाद और 12,427 रुपये का उपयोग करने के बाद 37,573 रुपये का उपयोग करना शेष रहने हुए खो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/2192509 दिनांक 27-3-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है और निदेश देना है कि विषयाधीन लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि आवेदकों को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति रद्द की जाती है।

लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि शपथ से जारी की जा रही है।

[संख्या सी एच/बी-58(6)/ए०एम० 73/आर०एम० 3/2167]

आर० के० घोष, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 25th February, 1974

S.O. 675.—M/s. Boehringer-Knoll Limited, Bombay were granted licence No. P/D/2192509 dated 27-3-73 under General Currency Area for import of raw materials as per list attached valued at Rs. 50,000. They have requested this office for the issue of duplicate Custom copy of the said licence on the ground that the original copy of the licence has been lost after having been registered with Bombay Customs and utilised for Rs. 12,427 leaving a balance of Rs. 37,573.

2. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Custom copy of licence No. P/D/2192509 dated 27-3-73 has been lost and directs that duplicate Custom copy of the licence in question should be issued to them. The original Custom copy is cancelled.

3. The duplicate Custom copy of the licence is being issued separately.

[Ref. No. CH/B-58(6)/A.M.73/R.M.3/2167]

R. K. GHOSH, Dy. Chief Controller

आवेष्ट

कोचीन, 4 जनवरी, 1974

विषय :—सर्वश्री जार्ज पाल पुथूरम, हावरं व्यू, मार्किट रोड, एर्नाकुलम, कोचीन केरल को जारी किए गए लाइसेंस सं० पी/ए/1368818/सी/एक्स/एक्स/49/ई/37-38/ एडहाक दिनांक 30-10-73 (सीमाशुल्क कार्यसंबंधी प्रति) को रद्द करना।

क्रा० प्रा० 676.—सर्वश्री जार्ज पाल पुथूरम, हावरं व्यू, मार्किट रोड, एर्नाकुलम, कोचीन-11, केरल को वास्तविक उपयोगिता श्रेणी के अन्तर्गत होल्डन माइल 'एच डी' सीडन कार के फालतू पुर्जों के आयात के लिए 950 रु० (नौ सौ पचास रु० मात्र) का एक लाइसेंस सं० पी/ए/1368818/सी/एक्स एक्स/49/ई/37-38 एडहाक दिनांक 30-10-73 स्वीकृत किया गया है।

उन्होंने उक्त लाइसेंस अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस बिल्कुल उपयोग किए बिना खो गया/प्रस्थानस्थ हो गया है। इस दावे के समर्थन में आवेदक ने निर्धारित प्रपत्र में एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेन्स नं० पी/ए/1368818/सी/एक्स एक्स/49/ई/37-38 एडहोक् दिनांक 30-10-73 बिल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गया/अस्थायित्व हो गया है और निवेश देना हूँ कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की अनुमति सीमागुल्क कार्यसंबन्धी प्रति जारी की जानी चाहिए।

[संख्या : 1/74/एस एस ग्राह]

आर० जयाराम नायडू,
उप-मुख्य नियंत्रक,

ORDER

Cochin, the 4th January, 1974

Sub : Cancellation of licence No. P/A/1368818/C/XX/49/E/37-38-Ad hoc dt. 30-10-73 (Customs Purposes copy) issued to Shri George Paul Puthuran, Harbour View, Market Road, Ernakulam, Cochin 11, Kerala

S.O. 676.—Shri George Paul Puthuran, Harbour View, Market Road, Ernakulam, Cochin-11, Kerala has been

granted licence No. P/A/1368818/C/XX/49/E/37-38 Ad hoc dt. 30-10-73 for Rs. 950 (Rupees Nine hundred and fifty only) for spare parts of Holden Model 'HD' Sedan Car under the Actual Users category.

He has applied for duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original licence has been lost/misplaced fully unutilised. In support of his claim, the applicant has filed an affidavit in the prescribed form.

I am satisfied that the original Customs Purposes copy of the licence No. P/A/1368818/C/XX/49/E/37-38-Ad hoc dt. 30-10-73 has been lost/misplaced, fully unutilised, and direct that the duplicate copy of the Customs copy of the said licence should be issued to the applicant.

[No. 1/74/SSI]

R. JAYARAM NAIDU, Dy. Chief Controller

प्रौद्योगिक विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1974

क्र० आ० 677.— समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्दु) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सितम्बर, 1972 माह में नीचे अनुसूची में विवरण सहित दिए गए 92 लाइसेंसों का नवीकरण किया गया है :

अनुसूची

क्रम संख्या लाइसेंस संख्या सी एस एस	वैधता की अवधि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	वस्तु/प्रक्रिया और तत्संबन्धी पदनाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. सी एस एस-13 3-9-1956	1-9-1972	31-8-1973	लल्लू भाई अमी चन्द प्रा० लि०, 48/ 50 कमरा चाल, बम्बई-2	(क) पिटवां एलुमिनियम के वर्तन ग्रेड, एस आई बी, एस आई सी और एन एस 3 IS: 21-1959 (ख) पिटवां एलुमिनियम के वर्तन ग्रेड एस आई सी एनोडीकृत- IS: 1868-1968
2. सी एस/एस-96 18-9-1958	1-10-1972	30-9-1973	ट्रावनकोर टिटेनियम प्रॉडक्ट्स लि०, कोच्चिबेल्ली, त्रिवेन्द्रम-7	रंग रोगन के लिए टिटेनियम डाइ-फास्फाइड एनेटेप्पर प्रकार 'ए'- IS: 411-1968
3. सी एस/एस-169 22-2-1960	16-9-1972	15-9-1973	मैसूर इलेक्ट्रीसाइड्स कं० प्रा० लि०, ग्रान्ध बैंक बिल्डिंग, 6 लिंगो-बेटी स्ट्रीट, मद्रास-1	बी एस सी धूलन पाउडर IS: 561-1962
4. सी एस/एस-340 20-9-1961	16-9-1972	15-9-1973	मैसूर इलेक्ट्रीसाइड्स कं० प्रा० लि०, 31-ए नार्थ वीथ रोड, मद्रास-1	डी डी टी धूलन पाउडर IS: 564-1961
5. सी एस/एस-403 2-4-1962	1-9-1972	31-8-1973	वि हिन्दुस्तान मिनरल प्रॉडक्ट्स कं० प्रा० लि०, प्लॉट नं० 27, मैंगनीज डिपो, मेवरी, बम्बई-15	बी एस सी धूलन पाउडर IS: 561-1962
6. सी एस/एस-429 30-6-1962	1-9-1972	31-8-1973	"	बी एस सी जल विसर्जनीय धूलन पाउडर IS: 562-1962
7. सी एस/एस-440 31-7-1962	16-9-1972	15-9-1973	मैसूर इलेक्ट्रीसाइड्स कं० प्रा० लि०, 18-बैचनाथ मुदाली स्ट्रीट, टोडि- यारपेट, मद्रास-21	एन्ड्रिन पायमनीय नेत्र द्रव IS: 1310-1958

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
8. सी एम/एल-444 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, रुर्केला रुर्केला इस्पात संयंत्र, रुर्केला (उड़ीसा)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)--- IS : 226-1969	
9. सी एम/एल-445 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	"	उच्च तनाव संरचनात्मक इस्पात--- IS : 961-1962	
10. सी एम/एल-446 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	"	ठंडी बेल्डित कार्बन इस्पात की चट्टें और पत्तियां--- IS : 513-1963	
11. सी एम/एल-417 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	"	गर्म बेल्डित कार्बन इस्पात की चट्टें और पत्तियां--- IS : 1079-1968	
12. सी एम/एल-450 30-8-1972	16-9-1972	15-3-1973	कोयम्बटूर प्रोमियर कार्पोरेशन प्रा० लि०, पटेल रोड, कोयम्बटूर-9	छोटे एसी और यूनिवर्सल बिजली के मोटर 'ए' श्रेणी के रोधन वाले--- IS : 996-1964	
13. सी एम/एल-500 14-1-1963	1-9-1972	31-8-1973	दि एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, सं० 1, सेरैमिक रोड, कुडारा (केरल)	पी बी सी रोधित केबल, केवल एलुमिनियम चालकों वाले 250/440 और 650/ 1100 वोल्ट IS : 694(भाग 2)-1964	
14. सी एम/एल-532 30-4-1963	1-9-1972	31-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, रुर्केला इस्पात संयंत्र, रुर्केला (उड़ीसा)	संरचना इस्पात (गलत बेल्डिंग किस्म)--- IS : 2062-1969	
15. सी एम/एल-538 13-5-1963	1-9-1972	31-8-1973	दि एलुमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, सं० 1, सेरैमिक रोड, कुडारा (केरल)	पोलीथीन रोधित और पी बी सी खोल वाले एलुमिनियम-केबल--- IS : 1596-1962	
16. सी एम/एल-570 23-8-1963	16-9-1972	15-9-1973	रेडियो एंड इलेक्ट्रिकल्स मैनु० फ० लि०, पोस्ट बैग सं० 6, मैमूर रोड, बंगलौर-26	(क) पी बी सी रोधित केबल--- (1) इकहरी कोर (बिना खोल वाले) 250/440 और 650/1100 की तांबे अथवा एलुमिनियम चालक वाले--- (2) इकहरी कोर (पी बी सी खोल वाले) 250/440 या तांबे अथवा एलुमिनियम चालकों वाले ; (3) गोल दुहरे, तीन और चार कोर (पी बी सी खोल वाले) 250/ 440 या, तांबे और एलुमिनियम चालकों वाले--- (4) चपटे बुद्धरे ई सी सी सहित व रहित (पी बी सी खोल वाले) 650/1100 या, तांबे और एलु- मिनियम चालकों वाले--- (ख) पी बी सी रोधित सबकोसी डोरियां (5) बुद्धरी मरोड़ी (बिना खोल वाली) 250/440 या केबल तांबे के चालकों वाली--- (6) गोल बुद्धरी, तीन और चार कोर- (पी बी सी खोल वाली) 250/ 440 या केबल तांबे के चालकों वाली--- IS : 694 (भाग 1 और 2)--- 1964	

1	2	3	4	5	6
17. सी एम/एल-610 31-12-1963	1-10-1972	30-9-1973	एशियन केबल कार्पोरेशन लि०, पोखरण रोड, थाना (महाराष्ट्र)	(क) पी बी सी रोहित केबल (1) इकहरी कोर (बिना खोल वाले), 250/440 और 650/1100 वोल्ट, तांबे अथवा एलुमिनियम जालकों वाले, (2) इकहरी कोर, दुहरी, दुहरी इसीसी युक्त तीन और चार कोर (पी बी सी खोल वाले), 250/440 वोल्ट तांबे अथवा एलुमिनियम जालकों वाले, (3) इकहरी कोर, दुहरी कोर, दुहरी तीन और चार कोर वाले गोल (पी बी सी खोल वाले) 650/1100 वोल्ट एलुमिनियम जालकों वाले, (ख) पी बी सी रोहित लवलीसी डोरिया (1) दुहरी मरोड़ी (बिना खोल वाले) 250/440 वो केबल तांबे के जालकों वाली, (5) गोल दुहरी कोर (पी बी सी खोल वाली) 250/440 केवल तांबे की जालकों वाली, (6) गोल तीन कोर पी बी सी खोल वाली) 250/440 वो तांबे के जालकों वाली, (7) गोल चार कोर (पी बी सी खोल वाली) 250/440 वो केबल तांबे के जालकों वाली— IS:694 (भाग 1 और 2)— 1964	
18. सी एम/एल-620 17-1-1964	16-8-1972	15-8-1973	रूफगड्ट प्रा० लि०, दोलबेबाद रोड, गुडगांव	जलरोक और नम्यसह बनाने के लिये बिट्यू-मनी नमदे, टाइप 3 ग्रेड 1— IS: 1322—1970	
19. सी एम/एल-622 23-1-1964	1-10-1972	30-9-1973	आर० एन० दत्त एंड कम्पनी, 30, बेदिया डांगा (बूंदेलखण्ड, कलकत्ता-39)	बिजली का तार लगाने के लिये इस्पात की तारनली— IS: 1653—1964	
20. सी एम/एल-672 14-5-1964	1-9-1972	31-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, रुड़केवा, इस्पात संयंत्र, रुड़केवा (उड़ीसा)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS: 1977—1967	
21. सी एम/एल-752 31-7-1964	1-9-1972	31-8-1973	इंडियन प्लास्टिक्स लि०, पायसर ब्रिज, काशीवली, बम्बई-67 एन० बी०	अग्नेजी टट्टियों के लिये प्लास्टिक के शक्कन और सीटें— IS: 2548—1967	
22. सी एम/एल-760 21-8-1964	16-9-1972	15-3-1973	बरको वैलिडिंग एंड इलेक्ट्रिकल एक्विपमेन्ट मैन्यु० कं०, रेलवे रोड, जलधर, गढ़र	एक चालक वाले आर्क वैलिडिंग ट्रांसफार्मर हाथ में लगातार वैलिडिंग के लिये अधिकतम धारा 400 वोल्ट 350 एम्पीयर तक, IS: 1851—1966	
23. सी एम/एल-765 24-8-1964	1-9-1972	31-8-1973	दि पंजाब स्टील रोलिंग मिल्स, ओल्ड स्टेशन, बड़ौदा	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226—1969	
24. सी एम/एल-766 24-8-1964	1-9-1972	31-8-1973	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS: 1977—1969	

1	2	3	4	5	6
25. सी एम/एल-774 24-8-1964	16-9-1972	15-9-1973	पेंजेलो ब्रदर्स लि०, 7-रामगोपाल घोष रोड, काशीपुर, कलकत्ता-2	षपड़ा— IS : 16—1956	
26. सी एम/एल-775 24-8-1964	16-9-1972	15-9-1973	"	त्रिरंजित लाख— IS : 17—1956	
27. सी एम/एल-1018 26-2-1965	16-9-1972	15-9-1973	मैसूर इमेकटीमाइड्स कम्पनी प्रा० लि०, 18-वैद्यनाथ मुवाली स्ट्रीट, टोडयारपेट, मद्रास-21	बी एच सी पायसनीय नेज ड्रव— IS : 632—1966	
28. सी एम/एल-1084 1-6-1965	16-6-1972	15-2-1972	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स, छेहरटा (पंजाब)	कंक्रिट प्रबलन के लिए मृदु इस्पात और मध्यम तनाव इस्पात की सरिया और गलत खिंचे इस्पात के तार— IS : 432—1960	
29. सी एम/एल-1085 1-6-1965	16-6-1972	15-12-1972	"	संरचना इस्पात (गलन वेल्डिंग किस्म)— IS : 2062—1969	
30. सी एम/एल-1138 8-9-1965	1-10-1972	30-9-1973	शिव बुर्गी आयरन वर्क्स प्रा० लि०, 156/1, 172/11, मधुसूदनपाल चौधरी लेन, हावड़ा	(क) जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व (भीतरी षड्धियां थोपे न उठने वाली तकुणनुमा) श्रेणी 1 और 2 और 50 मि० मी० से 300 मि० मी० तक साइज वाले— IS : 780—1969 (ख) जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व, श्रेणी 1, 350 मि० मी० और 1200 मि० मी० साइज वाले; जलकल कार्यों के लिए स्लूस वाल्व श्रेणी 2, 350 मि० मी० से 900 मि० मी० तक साइज वाले— IS : 2906—1969	
31. सी एम/एल-1190 6-1-1966	1-9-1972	31-8-1973	सेंट्रल इमेकटीमाइड्स एण्ड कर्टीलाइजर, 110-हंडस्ट्रियल इस्टेट, इन्दौर-3 (म० प्र०)	बी एच सी जलविमर्जनीय नेज चूर्ण— IS : 562—1962	
32. सी एम/एल-1191 6-1-1966	1-9-1972	31-8-1973	"	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561—1962	
33. सी एम/एल-1194 10-1-1966	16-9-1972	15-9-1973	त्रि बंगाल मशीनरी कं० प्रा० लि०, 9 ए-न्यू टाशा रोड, कलकत्ता-46	डब्ल्यू सी और मूत्रालयों के लिए डलवां थोहे की नीचे की चौड़ी ऊंचाई पर लगने वाली फणन की टंकियां 15 लीटर समान वाली— IS : 774—1971	
34. सी एम/एल-1213 25-2-1966	1-9-1972	31-8-1973	दि हिन्दुस्तान मिटरल प्रॉडक्ट्स कं० प्रा० लि०, प्लाट सं० 27, मैगनीज डिपो, मेवरी-अम्बई-15	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564—1961	
35. सी एम/एल-1338 29-9-1966	1-10-1972	30-9-1973	एशियन केबल्स कार्पोरेशन लि०, पॉम्ब्रन रोड, धाना (महाराष्ट्र)	कागज रोधित सीसा के खोल वाले केबल—केबल 11 कि० मी० तक के केबल— IS : 692—1965	
36. सी एम/एल-1341 30-9-1966	1-9-1972	31-8-1973	दि एल्युमिनियम इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, सं० 1, मिरेमिक रोड, कुंडाग (केरल)	तापनम्य अल्युमिनियम रोधित केबल (क) पी डी सी रोधित और पी डी सी खोल वाले— (1) इकहरी कोर, 250/440 और 650/1100 बोल्ड, एल्युमिनियम चालकों वाले, और (2) दुहरी कोर अपटे 250/440 बो० और 650/1100 बोल्ड एल्यु- मिनियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग 1)—1965	

1	2	3	4	5	6
					(ख) पोलोइथाइलीन रोधित, टेपलगे, ब्रेड और सहमिश्रित :— (1) इकहरी कोर, 250/440 और 650/1100 बोस्ट एलुमिनियम चालकों वाले, (2) चपटे कुहरी कोर, 250/440 और 650/1100 बोस्ट एलुमि- नियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग 2)—1965 (ग) पोलोइथाइलीन रोधित और पोलोइथा- इलीन खोल वाले—इकहरी कोर, 650/1100 बोस्ट एलुमिनियम चालकों वाले IS : 3035 (भाग 3)—1967
37. सी एम/एल-1465 26-8-1967	1-9-1972	31-8-1973	दि हिन्दुस्तान मिनरल प्रॉडक्ट्स कं प्रा० लि० प्लाट नं० 27, मैगनीज डिपो, सिवरी बम्बई-15	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567—1963	
38. सी एम/एल-1472 13-7-1967	1-9-1972	31-8-1973	”	एंड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1958	
39. सी एम/एल-1498 25-8-1967	1-10-1972	30-9-1973	एशियन केबल कार्पोरेशन लि०, पोखरन रोड, थाना (महाराष्ट्र)	शिरोंपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सक्र खिन्न लड़दार इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालकों वाले केबल— IS : 398—1961	
40. सी एम/एल-1500 25-8-1967	1-9-1972	31-8-1973	सेंट्रल इलेक्ट्रीसाइज् एण्ड फर्टिलाइजर, 110, इंडस्ट्रियल इस्टेट, इन्दौर-3 (म० प्र०)	एल्ट्रिन धूलन पाउडर— IS : 1308—1958	
41. सी एम/एल-1514 15-9-1967	16-9-1972	15-9-1973	दि प्रिटेमिया बिस्कुट कं० लि० एम टी एच रोड, पादी, मद्रास-50	बिस्कुट— IS : 1011—1968	
42. सी एम/एल-1528 15-9-1967	16-9-1972	15-9-1973	सेसूर इलेक्ट्रीसाइज् कं० प्रा० लि०, 18-वैद्यनाथ मुबाली स्ट्रीट, टोडियारपेट, मद्रास-21	नाम्र आक्सीक्लोराइड जल विमर्जनीय तेज चूर्ण IS : 1507—1966	
43. सी एम/एल-1551 24-10-1967	1-9-1972	28-2-1973	महावीर स्टील रोलिंग मिल्स, कबूल नगर, जी टी रोड, शाहदरा-दिल्ली-32	कियाड़ों, खिड़कियों और रोशनदानों के लिए वेल्डिंग इस्पात के सेक्शन एफ 7 बी- IS : 1038—1968	
44. सी एम/एल-1563 14-11-1967	16-8-1972	15-8-1973	राजस्थान केबल इंडस्ट्रीज लि०, हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, कोटा-3 (राजस्थान)	एलुमिनियम वायक वाले पी बी सी रोधित केबल, 250/440 बोस्ट और 6501 1100 बोस्ट ग्रेड इकहरी कोर (बिना खोल वाले और खोल वाले) IS : 694 (भाग 2)—1964	
45. सी एम/एल-1619 12-1-1968	1-9-1972	31-8-1973	सेंट्रल इलेक्ट्रीसाइज् एण्ड फर्टिलाइजर, 110-इंडस्ट्रीयल इस्टेट इन्दौर-3 (म० प्र०)	एल्ट्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310—1958	
46. सी एम/एल-1804 9-10-1968	1-12-1972	31-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, रूरकेला इस्पात संयंत्र, रूरकेला	जस्ता चढ़ी इस्पात की चढ़ें (गादी और पनारीदार) IS : 277—1969	
47. सी एम/एल-1844 29-11-1968	1-12-1972	30-11-1972	एम एच शोला एण्ड संस, 144-शिवराम गाँव, तोरेपक्कम-झाकघर, मद्रास-20	काले निर्वृषक द्रव, ग्रेड 1, 2 और 3 IS : 1061—1964	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
48. सी एम/एल-1861 12-12-1968	1-9-1972	31-8-1973	सेंट्रल इंसेक्टीसाइड्स एण्ड फर्टीलाइजर्स, 110-इंडस्ट्रियल स्टेट, इन्दौर-3 (म० प्र०)	डी डी टी धूलन पाउडर- IS : 564-1961	
49. सी एम/एल-1873 23-12-1968	1-7-1972	30-6-1973	ज्वाय आइसक्रीम (बंगलौर) प्रा० लि० मेन रोड ब्लाइट फील्ड जिला बंगलौर	आइसक्रीम— IS : 2802-1964	
50. सी एम/एल-1884 31-12-1968	1-7-1972	30-6-1973	इंडो-स्वीडिश पाइप मैनु० लि०, नवलगंज, आगरा	अपकेन्द्रण द्वारा दले (बने) हुए लोहे के स्पीगाट और साकेट वाले मल, गंदगी और संवातन पाइप— IS : 3989-1967	
51. सी एम/एल-1931 27-2-1969	1-9-1972	31-8-1973	दि इन्डुस्तान मिनरल प्राइवेट्स कं०, प्रा० लि०, प्लॉट सं० 27, सैगनीज डिपो, मियरी-बम्बई-15	डी डी टी जल विमर्जनीय धूलन तेज पाउडर- IS : 565-1961	
52. सी एम/एल-1947 31-3-1969	1-9-1972	31-8-1973	सेंट्रल इंसेक्टीसाइड्स एंड फर्टीलाइजर्स, 110-इंडस्ट्रियल इस्टेट, बंगलौर-3 (म० प्र०)	ताम्र आक्सीबलोगराइड जल विमर्जनीय तेज पाउडर— IS : 1507-1966	
53. सी एम/एल-1950 31-3-1969	1-9-1972	31-8-1973	"	एल्यूम पायसनीय तेज व— IS : 1307-1958	
54. सी एम/एल-2054 21-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	अरुण स्टील इंडस्ट्रीज, 1-आयल इन्स्टालेशन रोड, कलकत्ता-13	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969	
55. सी एम/एल-2055 21-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS : 1977-1969	
56. सी एम/एल-2059 26-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	दि पंजाब स्टील रोलिंग मिल्स, बोल्ड स्टेशन, बड़ौदा	कंक्रीट प्रबलन के लिये गर्म खोलित मृदु इस्पात मध्यम तनाव इस्पात और उच्च पराभव इस्पात की विकृत छड़े— IS : 1139-1966	
57. सी एम/एल-2062 29-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	इंडो जापान स्टील्स लि०, 5/1, जी टी रोड, बेलूर, हावड़ा जिला	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969	
58. सी एम/एल-2063 29-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1969	
59. सी एम/एल-2069 9-9-1969	16-9-1972	15-9-1973	ए० बी० जे० वायर्स प्रा० लि०, दामोदर गार्डन, 8-बी टी रोड, बेलघोरिया (प० बंगाल)	साधारण इंजीनियरी कार्यों के लिये मृदु इस्पात के तार— IS : 280-1962	
60. सी एम/एल-2095 30-9-1969	1-9-1972	28-2-1973	अग्रवाल सेटल थर्म्स प्रा० लि०, अग्रवाल रोड, रियाड़ी (हरियाणा)	पिटिंग एल्यूमिनियम के बर्तन, कैबल एम आई सी ग्रेड— IS : 21-1959	
61. सी एम/एल-2101 30-9-1969	1-10-1972	30-9-1973	नन्दी प्रोवेडर मिल्स, (मानिक : घन- घनमल ज्वालादाम फील्ड मिल्स) 33, नजफगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया नई दिल्ली-15	पशुओं के लिए मिश्रित आहार— आईएम : 2052-1968	
62. सी एम/एल-2119 23-10-1969	1-9-1972	31-8-1973	दि पंजाब स्टील रोलिंग मिल्स, बोल्ड स्टेशन, बड़ौदा	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मरोड़ी विकृति इस्पात की सरिया— IS : 1786-1966	
63. सी एम/एल-2194 31-12-1969	16-9-1972	15-9-1973	मल्लान एंड कंपनी, 62/2 चेतना रोड, कलकत्ता-27	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग— IS : 10-1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
64. सी एम/एल-2285 30-3-1970	1-10-1972	30-9-1973	एशियन केबल्स कारपोरेशन लि०, पोखरण रोड, थाना (महाराष्ट्र)	पोलीइथाइलीन रोहित, टेप सहित टेपरहित ब्रेड और सहमिलित तापनम्य क्लेबुसह रोहित— (क) डकहरी कोर, 250/440 वो० ग्रेड एलुमिनियम चालकों वाले— (ख) डुहरी कोर, बपटे, 250/440 वो० और 650/1100 वोल्ड वाले एलुमिनियम चालकों वाले— IS : 3035 (भाग 2)-1965	
65. सी एम/एल-2299 31-3-1970	1-9-1972	28-2-1973	कपूर टिम्बरम, खजूरी रोड, यमुना- नगर, जिला अम्बाला (हरियाणा)	चाय की पेटियों के लिये प्लाइवुड की पट्टियाँ— IS : 10-1970	
66. सी एम/एल-2361 13-7-1970	1-7-1972	30-6-1973	टिम्बर ट्रेडर्स, खजूरी रोड, यमुना नगर, जिला अम्बाला (हरि- याणा)	चाय की पेटियों के लिये प्लाइवुड की पट्टियाँ— IS : 10-1970	
67. सी एम/एल-2383 5-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	पम्पावर डिस्टिलरी, इडिया गार्गस एंड रिफाइनरीज लि०, होअपेट, बेलारी जिला (मैसूर राज्य)	ब्रांडियाँ— IS : 4450-1957	
68. सी एम/एल-2384 5-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	"	डिब्रिस्कियाँ— IS : 4449-1967	
69. सी एम/एल-2386 10-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	"	परिशोधित स्पिरिट ग्रेड-1 IS : 232-1957	
70. सी एम/एल-2389 12-8-1970	16-9-1972	15-9-1973	आई बी आई प्रा० लि०, पायरोजन रहित प्राप्त पानी के भण्डार- एम०-86 अंधेरी कुरला रोड, बम्बई-59	IS : 3830-1970	
71. सी एम/एल-2391 18-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	शाह मेडिकल एंड सर्जिकल कं० लि०, अजवा रोड, बड़ौदा अजवा	अधोत्वक (हाइपोडर्मिक) सुइयाँ— IS : 3317-1965	
72. सी एम/एल-2393 19-8-1970	1-9-1972	30-6-1973	एसोसियेटेड इंस्ट्रूमेंट मैनु० (ई०) प्रा० लि०, 35-नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15	खंड 8.2, के अनुसार सीमेंट परीक्षण के लिये घनाकार साँचे— IS : 4031-1968	
73. सी एम/एल-2394 19-8-1970	1-9-1972	28-2-1973	योगिराज केमिकल लेबोरेटरीज, गिण रोड, मिन्नरगंज, लुधियाना (पंजाब)	मुहर लगाने के पैड की स्पाही— IS : 393-1968	
74. सी एम/एल-2401 1-9-1970	1-9-1972	31-8-1973	भानु स्टील कारपोरेशन लि०, मरुकापुरम, विशाखापत्तनम अन्वरगाढ़ (आ० प्र०)	कंठीट प्रबलन के लिये टंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की मरियाँ— IS 1786-1966	
75. सी एम/एल-2404 10-9-1970	16-9-1972	15-9-1973	रोगल प्रॉडक्ट्स प्राइवेट लि०, 186, रायपेटाहाई रोड, रायपेटा-मद्रास- 14	रंजकों द्वारा बनी फाउंटेनपेन की स्पाही (नीली)— IS : 1221-1957	
76. सी एम/एल०-2528 27-1-1971	1-8-1972	31-7-1973	वि भारत कार्बन एंड रिबन मैनु० कं० लि०, प्लाट सं० 66 ए० इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद टाउनशिप (हरियाणा)	हाथ से लिखने के कार्बन कागज टारप 'ए०' 'बी०' और 'सी०'— IS : 3450-1966	
77. सी एम/एल-2532 4-2-1971	16-8-1972	15-2-1973	एन०बी० इंडस्ट्रीज, 12-नक्कीबाई नगर, इंडस्ट्रियल इस्टेट, फोर्ट इन्दौर—(म०प्र०)	अनुमानित प्रकार के पानी के मीटर 'ए' शुष्क डायल केवल, 15 मि०मी०— IS : 779-1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
78. सी एम /एल -2537 8-2-1971	16-2-1972	15-2-1973	वनकोम एण्ड कम्पनी, 13/2 इंडस्ट्रियल इस्टेट, पटना-13	मोटर गाड़ियों के लिए सुवाह्य जैक, 4000 कि० ग्रा० और 8000 कि० ग्रा० क्षमता वाले, द्रव नियंत्रण द्वारा चालित तली उठाने वाले— IS : 4552-1968	
79. सी एम /एल-2557 19-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	कृषिकेमिन प्रॉडक्ट्स, मरहती जयनगर (दक्षिण) बंगलोर-11	बी एच सी जल विसर्जनीय धूलन पाउडर— IS : 562-1962	
80. सी एम /एल -2629 29-3-1971	1-9-1972	31-8-1973	पम्पासर डिस्टिलरी, होअपेट जिला (मैसूर राज्य)	रम— IS : 3811-1966	
81. सी एम/एल 2630 29-3-1971	1-9-1972	31-8-1973	„	जिन— IS : 4100-1967	
82. सी एम/एल-2738 16-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	स्काईटोन इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया), 43-इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद, हरियाणा	पी बी सी रोधित (भारी इयूटी केवल 1100 पी० तक कार्यकारी बोस्टता के लिए— IS : 1554 (भाग I)-1964	
83. सी एम/एल-2739 16-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	केमिकल्स एण्ड प्लास्टिक्स (इंडिया) लि०, रामन नगर मेट्र बांध-3 मलेम जिला (तामिलनाडु)	पानी सफाई के लिए अनम्यकृत पी बी सी पाइप— IS : 4985-1968	
84. सी एम/एल-2712 18-8-1971	16-8-1972	15-8-1973	हिन्दुस्तान स्टील लि०, खावटोली म्टाक यार्ड, पारवती मार्ग, कानपुर	कंस्ट्रीट प्रबलन के लिए टंडी मरोही इस्पात की धिक्कत सरिया— IS : 1786-1966	
85. सी एम/एल-2748 25-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	स्टील ट्यूब ऑफ इंडिया प्रा० लि०, 27/34, इंडस्ट्रियल इस्टेट, हवेली-3 (म०प्र०)	मशीनी और सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात की नलियां — IS : 3601-1966	
86. सी एम/एल-2754 27-8-1971	16-9-1972	15-9-1973	इंडस्ट्रियल कन्टेनर्स लि०, पी०/4/1, आयल इमटालेशन रोड, पहाड़पुर, कलकत्ता-43	किनारीदार 'बी' टाइप बड़े जड़ाउ ड्रम— IS : 1783-1961	
87. सी एम/एल-2755 31-8-1971	1-9-1972	31-8-1973	कृषिकेमिन प्रॉडक्ट्स, मरहती जयनगर (माउथ) बंगलोर-11	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1962	
88. सी एम/एल-2757 1-9-1971	16-9-1972	15-9-1973	कुष्ण माइनर्स एण्ड ट्रेडर्स, 12- इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर पण्डित (राजस्थान)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1962	
89. सी एम/एल-2765 13-9-1971	16-9-1972	15-9-1973	केमिकल्स एण्ड प्लास्टिक्स इंडिया लि० रामनगर, मेट्र बांध-3 मलेम जिला (तामिलनाडु)	विद्युत संस्थापन के लिए सख्त अवस्थास्थितिक तारनलियां— IS : 2509-1963	
90. सी एम/एल-2766 14-9-1971	16-9-1972	31-8-1973	इंडो जापान स्टील्स लि० 5/1, श्री टी रोड, बेलूर हावड़ा	टंडी वेल्लित इस्पात की पलियां (गांठें बांधने के लिए)— IS : 5872-1970	
91. सी एम/एल-2775 17-9-1971	1-10-1972	30-9-1973	रोनारुड इंजीनियर्स, 7/बी, कमरहांगा रोड, कलकत्ता-46	डोर क्लोत्तर (द्रव नियंत्रित)— IS : 3564-1970	
92. सी एम/एल-2782 30-10-1971	16-10-1972	15-10-1973	कनकाई अग्रय प्रा० लि०, उदिकयम, तोरायपाकम गांव, मद्रास-20	औद्योगिक सुरक्षा टोप— IS : 2925-1964	

[सं० सी० डी० एम/13—12]

डी० दाम गुप्ता, उपमहानिदेशक (संकेत माफर्स)

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, SCIENCE AND TECHNOLOGY

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 25th February, 1974

S. O. 677.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that ninety two licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of September, 1972 :

THE SCHEDULE

Sl. Licence No. and date No.	Period of Validity from to	Name and Address of the Licensee	Article/Process covered by the Licences and the relevant IS: Designation
(1)	(2)	(3)	(4)
1. CM/L-13 3-9-1956	1-9-1972	31-8-1973	Lallubhai Amichand Pvt. Ltd. 48/50, Kansara Chawl, Bombay-2
			(a) Wrought aluminium utensils, grade: SIB, SIC and NS3- IS:21-1959 (b) Wrought aluminium utensils, grade: SIC, anodized IS:1868-1968
2. CM/L-95 18-9-1958	1-10-1972	30-9-1973	Travancore Titanium Products Ltd. Kochu Velli, Trivandrum-7
			Titanium dioxide for paints, Anatara Type A IS:411-1968
3. CM/L-169 22-2-1960	16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Co. Pvt. Ltd., Andhra Bank Building, 6 Linghi Chetty Street, Madras-1
			BHC dusting powder— IS:561-1962
4. CM/L-340 20-9-1961	16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Co Pvt. Ltd., 31-A, North Beach Road, Madras-1
			DDT dusting powders, IS:564-1961
5. CM/L-403 2-4-1962	1-9-1972	31-8-1973	The Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd, Plot No. 27, Mangalore Depot, Sewri, Bombay-15
			BHC DP— IS:561-1962
6. CM/L-429 30-6-1962	1-9-1972	31-8-1973	Do.
			BHC WDPC— IS:562-1962
7. CM/L-440 31-1-1962	16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Co. Pvt. Ltd., 18, Vaidyanatha Mudali Street, Tondiarpet, Madras-21
			Endrin Emulsifiable concentrates— IS:1310-1958
8. CM/L-444 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Plant, Rourkela (Orissa)
			Structural Steel (Standard Quality)— IS:226-1969
9. CM/L-445 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	Do.
			High tensile structural steel— IS:961-1962
10. CM/L-446 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	Do.
			Cold rolled carbon steel sheets— IS:513-1963
11. CM/L-447 20-8-1962	1-9-1972	31-8-1973	Do.
			Hot rolled carbon steel sheet and strips— IS:1079-1968
12. CM/L-450 30-8-1972	16-9-1972	15-3-1973	Coimbatore Premier Corpn. Pvt. Ltd., Patel Road, Coimbatore-9
			Small ac and universal electric motors with class 'A' insulation— IS:996-1964
13. CM/L-500 14-1-1963	1-9-1972	31-8-1973	The Aluminium Industries Ltd. No. 1 Ceramic Road, Kundara (Kerala)
			PVC insulated cables only with aluminium conductors, 250/440 and 650/1100 volts IS:694 (Part II)-1964
14. CM/L-532 30-4-1963	1-9-1972	31-8-1973	Hindustan Steel Ltd. Rourkela Steel Plant, Rourkela (Orissa)
			Structural Steel (fusion welding quality)— IS:2062-1969
15. CM/L-538 13-5-1963	1-9-1972	31-8-1973	The Aluminium Industries Ltd., No. 1 Ceramic Road, Kundara (Kerala)
			Polythene insulated and PVC sheathed aluminium cables— IS:1596-1962
16. CM/L-570 23-8-1963	16-9-1972	15-9-1973	Radio and Electricals Mfg. Co. Ltd., Post Bag No. 6, Mysore Road, Bangalore-26
			(a) PVC insulated cables (i) Single core (unsheathed), 250/440 and 650/1100 volts with copper or aluminium conductors (ii) Single core (PVC sheathed) 250/440 volts with copper or aluminium conductors (iii) Circular twin, three and four cores (PVC sheathed) 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductors only (iv) Flat twin with or without ECC (PVC sheathed) 650/1100 volts with copper or aluminium conductors (b) PVC insulated flexible cords (v) Twin twisted (unsheathed), 250/440 volts with copper conductors only

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
					(vi) Circular twin, three and four cores (PVC sheathed) 250/440 volts with copper conductors only IS:694 (Parts I & II)-1964
17. CM/L-610 31-12-1963		1-10-1972	30-9-1973	Asian Cables Corporation Ltd., Pokhran Road, Thana (Ma- harashtra)	(a) PVC insulated cables (i) Single core (unsheathed), 250/440 and 650/1100 volts with copper or aluminium conductors (ii) Single core, twin, twin with ECC, three & four cores (PVC sheathed), 250/440 volts with copper or aluminium conductors (iii) Single core, twin three and four cores circular (PVC sheathed) 650/1100 volts with aluminium conductors only (b) PVC Insulated flexible cords (iv) Twin twisted (unsheathed), 250/440 volts with copper conductors only (v) Circular two core (PVC sheathed) 250/440 volts with copper conductors only (vi) Circular three core (PVC sheathed) 250/440 volts with copper conductors only (vii) Circular four core (PVC sheathed) 250/440 volts with copper conductors only IS:694 (Parts I & II)-1964
18. CM/L-620 17-1-1964		16-8-1972	15-8-1973	Roofrite Pvt. Ltd., Daulatabad Road, Gurgaon	Bitumen Felts for water-proofing and damproofing, Type 3, Grade I— IS:1322-1970
19. CM/L-622 23-1-1964		1-10-1972	30-9-1973	R.N. Datta & Co., 30 Bedia danga, 2nd Lane, Calcutta-39	Steel conduits for electrical wiring— IS:1653-1964
20. CM/L-672 14-5-1964		1-9-1972	31-8-1973	Hindustan Steel Ltd., Rourkela Steel Plant, Rourkela (Orissa)	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS:1977-1969
21. CM/L-752 31-7-1964		1-9-1972	31-8-1973	Indian Plastics Ltd., Poisar Bri- dge, Kandivili, Bombay-67 NB	Plastic water-closet seats and covers IS:2548-1967
22. CM/L-760 21-8-1964		16-9-1972	15-3-1973	Berco Welding & Electrical Equipment Mfg. Co., Railway Road, Jullundur City	Arc welding transformers, single operator type, 400 volts upto 350 amprs, Max continuous hand welding current— IS:1851-1966
23. CM/L-765 24-8-1964		1-9-1972	31-8-1973	The Punjab Steel Rolling Mills, Old Station, Baroda	Structural Steel (Standard Quality)- IS: 226-1969
24. CM/L-766 24-8-1964		1-9-1972	31-8-1973	Do-	Structural Steel (Ordinary Quality)- IS:1977-1969
25. CM/L-774 24-8-1964		16-9-1972	15-9-1973	Angelo Brothers Ltd., 7 Ram Gopal Ghose Road, Cossi- pore, Calcutta-2	Shellac— IS:16-1956
26. CM/L-775 24-8-1964		16-9-1972	15-9-1973	Do	Bleached lac— IS:17-1956
27. CM/L-1018 26-2-1965		16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Company Pvt. Ltd., 18, Vaidyanatha Mudali Street, Tondiarpet, Madras-21	BHC Emulsifiable concentrates— IS:632-1966
28. CM/L-1084 1-6-1965		16-6-1972	15-12-1972	Partap Steel Rolling Mills, Chhehartia (Punjab)	Mild Steel and medium tensile steel bars and hard-drawn steel wire for concrete reinforcement— IS:432-1960
29. CM/L-1085 1-6-1965		16-6-1972	15-12-1972	Do-	Structural steel (fusion welding quality)- IS:2062-1969
30. CM/L-1138 8-9-1965		1-10-1972	30-9-1973	Shiva Durga Iron Works Pvt. Ltd., 156/1 & 172/11, Madhusudan Pal-Chowdhury Lane, Howrah	a) Sluice valves for waterworks purposes (inside screw non rising spennidle type) class 1 & 2 from 50 mm upto and including 300mm sizes-IS:780- 1969 b) Sluice valves for waterworks purposes, class 1 from 350 mm up to and including 1200 mm sizes; Sluice valves for Water Works Purposes, Class 2, from 350 mm upto and including 900 mm sizes IS:780- 1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
31. CM/L-1190 6-1-1966		1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	BHC water dispersible powder concentrates IS:562-1962
32. CM/L-1191 6-1-1966		1-9-1972	31-8-1973	Do-	BHC dusting powders IS:561-1962
33. CM/L-1194 10-1-1966		16-9-1972	15-9-1973	The Bengal Machinery Co. Pvt. Ltd. 9A New Tangra Road, Calcutta-46	Cast iron flushing cisterns for water closets and urinals (Bell type) high level, 15 litre capacity— IS:774-1971
34. CM/L-1213 25-2-1966		1-9-1972	31-8-1973	The Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd, Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15	DDT DP— IS:564-1961
35. CM/L-1338 29-9-1966		1-10-1972	30-9-1973	Asian Cables Corporation Ltd. Pokhran Road, Thana (Maharashtra)	Paper-insulated, lead-sheathed cables, upto 11 kV only— IS:692-1965
36. CM/L-1341 30-9-1966		1-9-1972	31-8-1973	The Aluminium Industries Ltd. No. 1, Ceramic Road, Kundara(Kerala)	Thermoplastic insulated weather proof cable (a) PVC insulated and PVC sheathed (i) Single core, 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductor and (ii) Twin core flat 250/440 volts & 650/1100 volts with aluminium conductors— IS:3035 (Pt. I)—1965 (b) Polyethylene insulated, taped, braided and compounded: (i) Single core, 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductors; and (ii) Flat, twin core, 250/440 and 650/1100 volts with aluminium conductors— IS: 3035(Pt. II)—1965 (c) Polyethylene insulated and polyethylene sheathed Single core, 650/1100 volts with aluminium conductors— IS:3035(Pt. III)—1967
37. CM/L-1465 26-6-1967		1-9-1972	31-8-1973	The Hindustan Mineral Products Co. Pvt. Ltd. Plot No. 27, Manganese Depot, Sowri, Bombay-15	Malathion emulsifiable concentrates— IS:2567-1963
38. CM/L-1472 13-7-1967		1-9-1972	31-8-1973	Do-	Endrin emulsifiable concentrates— IS:1310-1958
39. CM/L-1498 25-8-1967		1-10-1972	30-9-1973	Asian Cables Corporation Ltd. Pokhran Road, Thana (Maharashtra)	Hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes IS: 398-1961
40. CM/L-1500 25-8-1967		1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	Aldrin dusting powders— IS:1308-1958
41. CM/L-1514 15-9-1967		16-9-1972	15-9-1973	The Britannia Biscuit Co. Ltd. M.T.H. Road, Padi, Madras-50	Biscuits— IS:1011-1968
42. CM/L-1528 15-9-1967		16-9-1972	15-9-1973	Mysore Insecticides Co. Pvt. Ltd. 18, Vaidyanatha Mudali Street Tondiarpet, Madras-21	Copper oxychloride water dispersible powder concentrates— IS: 1507-1966
43. CM/L-1551 24-10-1967		1-9-1972	28-2-1973	Mahabir Steel Rolling Mills Qabool Nagar, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32	Rolled steel sections, F 7B for doors, windows and ventilators— IS:1038-1968
44. CM/L-1563 14-11-1967		16-8-1972	15-8-1973	Rajasthan Cable Industries Ltd. Heavy Industrial Area, Kota-3 (Rajasthan)	PVC insulated cables with aluminium conductors, 250/440 and 650/1100 volts grade, single core (unsheathed and PVC sheathed)— IS:694(Part II)—1964
45. CM/L-1619 12-1-1968		1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	Endrin emulsifiable concentrates— IS:1310-1958
46. CM/L-1804 9-10-1968		1-19-1972	31-8-1973	Hindustan Steel Ltd. Rourkela Steel Plant, Rourkela-1.	Galvanized Steel sheets (plain and corrugated)— IS:277-1969
47. CM/L-1844 29-11-1968		1-12-1971	30-11-1972	S.H. Shelat & Sons, 144 Shivram Village, Thorepakkam P.O. Madras-20.	Disinfectant fluid black, grades 1, 2 & 3— IS:1061-1964

Sl	2	3	4	5	6
48.	CM/L-1861 12-12-1968	1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110, Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	DDT dusting powders— IS: 564-1961
49.	CM/L-1873 23-12-1968	1-7-1972	30-6-1973	Joy Ice-creams (Bangalore) Pvt Ltd, Main Road, Whitefield, Bangalore Distt.	Ice-cream— IS: 2802-1964
50.	CM/L-1884 31-12-1968	1-7-1972	30-6-1973	Indo-Swedish Pipe Manufacturers Ltd, Nawalganj, Agra-6	Centrifugally cast (type) iron spigot and socket solidwaste and ventilating pipes. IS: 3989-1967
51.	CM/L-1931 27-2-1969	1-9-1972	31-8-1973	The Hindustan Mineral Products Co Pvt Ltd, Plot No. 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-15.	DDT WLPFC— IS: 565-1961
52.	CM/L-1947 31-3-1969	1-9-1972	31-8-1973	Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	Copper Oxochloride water dispersible powder concentrates— IS: 1507-1966
53.	CM/L-1950 31-3-1969	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Aldrin emulsifiable concentrates— IS: 1307-1958
54.	CM/L-2054 21-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	Arun Steel Industries, 1, Oil Installation Road, Calcutta-43	Structural Steel (Standard Quality)— IS: 226-1969
55.	CM/L-2055 21-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS: 1977-1969
56.	CM/L-2059 26-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	The Punjab Steel Rolling Mills, Old Station, Baroda.	Hot rolled mild steel, medium tensile steel and high yield strength steel deformed bars for concrete reinforcement— IS: 1139-1966
57.	CM/L-2062 29-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	Indo-Japan Steels Ltd, 5/1, G.T. Road, Belur, Howrah Distt.	Structural Steel (Standard Quality)— IS: 226-1969
58.	CM/L-2063 29-8-1969	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS: 1977-1969
59.	CM/L-2069 9-9-1969	16-9-1972	15-9-1973	A.V.J. Wires Pvt Ltd., Domodar Gardens, 8 B.T. Road Belghoria (W. Bengal)	Mild Steel Wire for general engineering purposes— IS: 280-1962
60.	CM/L-2095 30-9-1969	1-9-1972	28-2-1973	Agrawal Metal Works Pvt Ltd., Agrawal Road, Rewari (Haryana)	Wrought aluminium utensils, SIC grade only— IS: 21-1959
61.	CM/L-2101 30-9-1969	1-10-1972	30-9-1973	Nandi Provender Mills (Prop. Dhanpatmal Jawaladas Feed Mills), 33, Najafgarh Industrial Area, New Delhi-15	Compounded feeds for cattle— IS: 2052-1968
62.	CM/L-2119 23-10-1969	1-9-1972	31-8-1973	The Punjab Steel Rolling Mills, Old Station, Baroda.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786-1966
63.	CM/L-2194 31-12-1969	16-9-1972	15-9-1973	Sylvan & Company, 62/2, Chetla Road, Calcutta-27	Tea-chest metal fittings— IS: 10-1970
64.	CM/L-2285 30-3-1970	1-10-1972	30-9-1973	Asian Cables Corporation Ltd., Pokhran Road, Thana (Maharashtra)	Thermoplastic insulated weatherproof cables, polyethylene insulated, taped/untaped, braided and compounded: (a) Single core, 250/440 volts grade with aluminium conductors; and (b) Twin core, flat, 250/440 volts and 650/1100 volts with aluminium conductors— IS: 3035 (Part II)-1965
65.	CM/L-2299 31-3-1970	1-9-1972	28-2-1973	Kapur Timbers, Khajuri Road, Yamunanagar Distt. Ambala (Haryana)	Plywood tea-chest battens— IS: 10-1970
66.	CM/L-2361 13-7-1970	1-7-1972	30-6-1973	Timber Traders, Khajuri Road, Yamunanagar Distt. Ambala (Haryana)	Plywood tea-chest battens— IS: 10-1970
67.	CM/L-2383 5-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	Pampasar Distillery, India Sugars & Refineries Ltd, Hospet, Distt. Bellary (Mysore State)	Brandies— IS: 4450-1967
68.	CM/L-2384 5-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	Do.	Whiskies— IS: 4449-1967
69.	CM/L-2386 10-8-1970	1-9-1972	31-8-1973	Pampasar Distillery, India Sugars & Refineries Ltd, Hospet, Distt. Bellary (Mysore State)	Rectified spirit grade I— IS: 323-1957

1	2	3	4	5	6
70. CM/L-2389 12-8-1970		16-9-1972	15-9-1973	I.B.I. Pvt Ltd., S-86, Andheri Kurla Road, Bombay-59	Water steels for pyrogenfree distilled water— IS: 3830-1970
71. CM/L-2391 18-8-1970		1-9-1972	31-8-1973	Shah Medical & Surgical Co. Ltd., Ajwa Road, Baroda	Needles, hypodermic— IS: 3317-1965
72. CM/L-2393 19-8-1970		1-9-1972	30-6-1973	Associated Instruments Manufacturers (I) Pvt. Ltd., 35 Najafgarh Road, New Delhi-15	Cube moulds for cement testing as per clause 8.4.2.— IS: 4031-1968
73. CM/L-2394 19-8-1970		1-9-1972	28-2-1973	Yogi Raj Chemical Laboratories, Gill Road, Millerganj, Ludhiana (Pb.)	Ink, stamp pad— IS: 393-1968
74. CM/L-2401 1-9-1970		1-9-1972	31-8-1973	Andhra Steel Corpn. Ltd, Malkapuram, Visakhapatnam Port, (A.P.)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786-1966
75. CM/L-2404 10-9-1970		16-9-1972	15-9-1973	Regal Products Private Limited, 186, Royapettah High Road, Royapettah, Madras-14	Dye-based fountain pen ink (blue)— IS: 1221-1957
76. CM/L-2528 27-1-1971		1-8-1972	31-7-1973	The Bharat Carbon & Ribbon Mfg. Co. Ltd, Plot No 66-A, Industrial Area, Faridabad Township (Haryana)	Carbon papers, handwriting, Types A, B & C— IS: 34 50-1966
77. CM/L-2532 4-2-1971		16-8-1972	15-2-1973	N.B. Industries, 12 Lakshmi Bai Nagar, Industrial Estate, Fort, Indore (M.P.)	Water Meters, Inferential Type 'A' Dry Dial, 15 mm only— IS: 779-1968
78. CM/L-2537 8-2-1971		16-2-1972	15-2-1973	Vankos & Company, 13/2, Industrial Estate, Patna-13.	Portable jacks for automobiles, 4000 kg and 8000 kg capacity hydraulically operated, bottom lifting type— IS: 4552-1968
79. CM/L-2557 19-8-1971		1-9-1972	31-8-1973	Krishichemin Products, Sarakki, Jayanagar, (South) Bangalore-11.	BHC WDPC— IS: 562-1962
80. CM/L-2629 29-3-1971		1-9-1972	31-8-1973	Pamparar Distillery, Hospet, Bellary Distt. (Mysore State)	Rum— IS: 3811-1966
81. CM/L-2630 29-3-1971		1-9-1972	31-8-1973	Do.	Gin— IS: 4100-1967
82. CM/L-2738 16-8-1971		16-8-1972	15-8-1973	Skytone Electricals (India), 43 Industrial Area, Faridabad (Haryana)	PVC insulated (heavy duty) cables for working voltages upto and including 1100 volts,— IS: 1554 (Part I)-1964
83. CM/L-2739 16-8-1971		16-8-1972	15-8-1973	Chemicals & Plastics (India) Ltd, Raman Nagar, Mettur Dam-3, Salem Distt. (Tamil Nadu)	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies— IS: 4985-1968
84. CM/L-2742 18-8-1971		16-8-1972	15-8-1973	Hindustan Steel Ltd, Gwaltoli Stock Yard, Parbati Marg, Kanpur	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS: 1786-1966
85. CM/L-2748 25-8-1971		1-9-1972	31-8-1973	Steel Tubes of India Pvt Ltd, 27/34 Industrial Estate, Indore-3 (M.P.)	Steel tubes for Mechanical and general engineering purposes— IS: 3601-1966
86. CM/L-2754 27-8-1971		16-9-1972	15-9-1973	Industrial Containers Ltd, P/4/1, Oil Installation Road, Paharpur, Calcutta-43	Drums, large, fixed, end type B— IS: 1783-1961
87. CM/L-2755 31-8-1971		1-9-1972	31-8-1973	Krishichemin Products, Sarakki, Jayanagar, (South), Bangalore-11.	BHC DP— IS: 561-1962
88. CM/L-2757 1-9-1971		16-9-1972	15-9-1973	Krishna Miners & Traders, 12 Industrial Area, Jaipur West (Rajasthan)	BHC DP— IS: 561-1962
89. CM/L-2765 13-9-1971		16-9-1972	15-9-1973	Chemicals and Plastics India Ltd, Raman Nagar, Mettur Dam-3, Salem Distt (Tamil Nadu)	Rigid non-metallic conduits for electrical installations— IS: 2509-1963
90. CM/L-2766 14-9-1971		16-9-1972	31-8-1973	Indo-Japan Steels Ltd, 5/1, G.T. Road, Belur, Howrah	Cold rolled steel strips (box strappings) IS: 5872-1970
91. CM/L-2775 17-9-1971		1-10-1972	30-9-1973	Ronald Engineers, 7/B, Kamaradanga Road, Calcutta-46	Door closers (hydraulically regulated)— IS: 3564-1970
92. CM/L-2782 30-10-1971		16-10-1972	15-10-1973	Concord Arai Pvt Ltd, Ukkiam, Thoarippakkam Village, Madras-20.	Industrial safety helmets— IS: 2925-1964

[No. CMD/13-12]

D. DAS GUPTA, Deputy Director General

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1974

का० प्रा० 678.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 18 जून, 1964 की अधिसूचना संख्या एफ० 32-5/61 एम० पी० टी० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए यूनिवर्सिटी आफ नेब्रस्का, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रदत्त एम० डी० चिकित्सा अर्हतामान्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० पाल डब्ल्यू० जेवेट को जिसके पास उक्त अर्हता है अध्यापन, अनुसंधान व धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिये फिलहाल वेल्नेस हॉस्पिटल, मिराज मेडिकल सेंटर, डाकखाना मिराज, एम० एच० सांगली, जिला महाराष्ट्र के साथ सम्बद्ध है।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा --

- (1) इस आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से दो वर्ष की अवधि;

अथवा

- (2) उस अवधि को जब तक डा० पाल डब्ल्यू० जेवेट, वेल्नेस हॉस्पिटल, मिराज मेडिकल सेंटर पो० मिराज एम० एच० सांगली जिला महाराष्ट्र के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वाक्त डा० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[प० सं० बी० 11016/26/73-एम० पी० टी०]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 5th February, 1974

S.O. 678.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. F. 32-5/64 MPT dated the 18th June, 1964, the Central Government has directed that the Medical qualification "M.D." (University of Nebraska, United States of America) shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Paul W. Jewett who possesses the said qualification is for the time being attached to the Wanless Hospital, Miraj Medical Centre, P. O. Miraj M. H. Sangli District, Maharashtra for the purposes of teaching, research and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies --

- (i) a period of two years from the date of publication of this order in the official Gazette, or
- (ii) the period during which Dr. Paul W. Jewett is attached to the said Wanless Hospital, Miraj Medical Centre P. O. Miraj M. H. Sangli District, Maharashtra,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/26/73-MPT]

आदेश

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1974

का० प्रा० 679.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 19 जुलाई, 1962 की अधिसूचना सं० 16-28/61-वि० 1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए यूनिवर्सिटी आफ वाशिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रदत्त डाक्टर आफ मेडिसिन की चिकित्सा

अर्हता मान्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० डेविड वर्न विलियम्स को जिसके पास उक्त अर्हता है अध्ययन व धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल उम्री मिशन अस्पताल, उम्री, यवतमल महाराष्ट्र राज्य के साथ सम्बद्ध है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा --

- (1) 1 जुलाई, 1971 तक की अवधि

अथवा

- (2) उस अवधि को जब तक डा० डेविड वर्न विलियम्स उम्री मिशन अस्पताल, उम्री यवतमल जिला महाराष्ट्र के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वाक्त डा० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[प० सं० बी० 11015/21/73 एम० पी० टी०]

ORDER

New Delhi, the 8th February, 1974

S.O. 679.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-28/61-MI, dated the 19th July, 1962, the Central Government has directed that the Medical qualification, "Doctor of Medicine" granted by the University of Washington, United States of America shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. David Verne Williams, who possesses the said qualification, is for the time being attached to the Umri Mission Hospital, Umri, Yeotmal District, Maharashtra for the purposes of teaching and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies --

- (i) a period upto the 1st July, 1974, or
- (ii) the period during which Dr. David Verne Williams is attached to the said Umri Mission Hospital, Umri, Yeotmal District, Maharashtra,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11015/24/73-MPT]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का० प्रा० 680.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के उपबन्धों का अनुसरण करने हुए उक्त विश्वविद्यालय द्वारा एम०सी०बी० मेडिकल, कालेज कटक, के प्रधानाचार्य डा० डी०आर० पटनायक को, डा० जी० एम० दास महापत्र के स्थान पर जो कि अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (3) के अधीन परिषद् के सदस्य नहीं रहे, 7 अगस्त, 1973 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-वि० 1 में प्राप्ति और निम्नलिखित संशोधन करती है; नामतः

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अन्तर्गत अग संख्या 10 के नामने की प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी; नामतः

"डा० डी० आर० पटनायक,

प्रधानाचार्य एम०सी०बी० मेडिकल कालेज कटक"

[सं० बी० 11013/2/73 एम० पी० टी०]

New Delhi, the 19th February, 1974

S.O. 680.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. D. R. Patnaik Principal, S.C.B. Medical College, Cuttack-7, has been elected by the Utkal University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 7th August, 1973 vice Dr. G. S. Das Mohapatra who has ceased to be a member of the Council under sub-section (3) of section 7 of the said Act;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59 MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for the entry against serial No. 10, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. D. R. Patnaik, Principal, S.C.B. Medical College, Cuttack-7".

[No. V. 11013/2/73 MPT]

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1974

कां. प्रा. 681—यत् दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खंड (ग) के उपबन्धों का अनुसरण करने हुए, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर ने डा० के० एल० सूरि, एम० एल० सी, एम० बी० बी० एम०, एम० डी० एम०, पी० एच० डी, निदेशक, दन्त सर्जरी कालेज, कास्तूरबा मेडिकल कालेज, मणिपाल, को 30 गिम्बर, 1973 से भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद का सदस्य नियुक्ति किया है ;

और यत् उक्त अधिनियम की धारा 3 के खंड (ङ) का अनुसरण करते हुए महाराष्ट्र सरकार ने डा० टी० एम० उदानी, बी० डी० एम०, एफ० सी० पी० एम०, बी० एम० सी डी०, एम० एम० सी० डी० (टोरोंटा), डीन गर्बनमैट दन्त चिकित्सा कालेज, तथा प्रस्ताल, 1, पी० डी० मेल्लो रोड, फोर्ट, बम्बई-1 को 17 नवम्बर, 1973 से उक्त परिषद का सदस्य मनोनित किया है ;

अतः, अद्य उक्त अधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मन्त्रालय की दिनांक 17 अक्तूबर, 1962 की अधिसूचना संख्या एफ-3-2/63-वि० II में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है ; नामतः

उक्त अधिसूचना में (I) "धारा 3 के खंड (ग) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अंतर्गत क्रम संख्या 8 के सामने की प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी नामतः

"डा० के० एल० सूरि, एम० एल० सी०, एम० बी० बी० एम०, एम० डी० एम० पी०-एच० डी०, निदेशक, कालेज आब डेन्टल सर्जरी, कास्तूरबा मेडिकल कालेज, मणिपाल"

(II) "धारा 3 के खंड (ङ) के अधीन मनोनित" शीर्षक के अंतर्गत क्रम संख्या 5 के सामने की प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी ; नामतः

"डा० टी० एम० उदानी, बी० डी० एम०, एफ० सी० पी० एम०, बी० एम० सी० डी०, एम० एम० सी० डी० (टोरोंटा) डीन, गर्बनमैट डेन्टल कालेज तथा प्रस्ताल, 1, पी० डी० मेल्लो रोड, फोर्ट, बम्बई-1"

[सं० बी० 12013/1/72 एम० पी० टी०]

कुमारी सती बालकृष्ण, अध्वर सचिव,

New Delhi, the 21st February, 1974

S.O. 681.—Whereas the University of Mysore, Mysore has, in pursuance of the provisions of clause (d) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), elected Dr. K. L. Shourie, M.Sc. MBBS., MDS, Ph.D., Director, College of Dental Surgery, Kasturba Medical College, Manipal, to be a member of the Dental Council of India with effect from the 30th September, 1973 ;

And whereas the State Government of Maharashtra has, in pursuance of clause (c) of section 3 of the said Act, nominated Dr. T. M. Udani, BDS, FCPS, B.Sc.D., MSc.D. (Toronto), Dean, Government Dental College and Hospital, 1, P. D. Mello Road, Fort, Bombay-1, to be a member of the said Council with effect from the 17th November, 1973 ;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. F. 3-2/62-MII, dated the 17th October, 1962, namely :—

In the said notification,

(i) under the heading "Elected under clause (d) of section 3", for the entry against serial No. 8, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. K. L. Shourie, M.Sc., MBBS, MDS, Ph.D., Director, College of Dental Surgery, Kasturba Medical College, Manipal".

(ii) under the heading "Nominated under clause (c) of section 3", for the entry against serial No. 5, the following entry shall be substituted, namely :—

"Dr. T. M. Udani, BDS, FCPS, B.Sc.D., MSc.D. (Toronto), Dean, Government Dental College and Hospital, 1, P. D. Mello Road, Fort, Bombay-1".

[No. V. 12013/1/72 MPT]

KM. SATHI BALAKRISHNA, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

कां. प्रा. 682—केन्द्रीय सरकार, साधारण श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1937 के नियम 4 के खंड (झ) और (ट) के अनुसरण में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से ऐगमार्क के अधीन श्रेणीकृत ओटी हुई कपास (लिनट) की गाँठों पर लगाये जाने वाले ऐगमार्क लेबलों का प्रसार 0.25 पैसे प्रति गाँठ (180 कि० ग्रा० या उससे कम बजन की) निर्धारित करती है।

[सं० 13-3/73-एम०]

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 19th February, 1974

S.O. 682.—In pursuance of clauses (i) and (k) of rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the Central Government hereby fixes with effect from the date of publication of this notification, the charges for Agmark Labels to be affixed on the bales of Cotton lint graded under 'Agmark' at the rate of 0.25 paise per bale weighing 180 kg. or less.

[No. 13-3/73-AM]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का० प्रा० 683.—कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम, के उपबन्ध निम्नलिखित वस्तु को लागू होंगे, अर्थात् :—

“अगर अगर” [सं० 13-9/72-ए० एम०]

रघुबीर नारायण, अव्वर सचिव

New Delhi, the 19th February, 1974

S.O. 683.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), the Central Government hereby declares that the provisions of the said Act shall apply to the following articles, namely :—

“Agar Agar”.

[No. 13-9/72-AM]

RAGHUBIR NARAIN, Under Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1974

का० प्रा० 684.—केन्द्रीय सरकार, सार्वजनिक स्थान (अप्राधिकृत अधिभागियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के भूतपूर्व निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 307, तारीख 28 जनवरी, 1959 का आंशिक संशोधन करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1762, तारीख 19 जुलाई, 1961 को अधिष्ठात करते हुए, नीचे दी गई तालिका के स्तम्भ 1 में निर्दिष्ट अधिकारियों को, सरकारी राज-पत्रित अधिकारी होने के नाते, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पत्ति अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है जो कि उक्त तालिका के कालम 2 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सार्वजनिक स्थानों के सम्बन्ध में अपने-अपने अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के अन्दर उक्त अधिनियम द्वारा अथवा उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उन पर अधिनियमित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

तालिका

अधिकारी की पद संज्ञा	सार्वजनिक स्थान के वर्ग तथा अधिकार क्षेत्र की स्थानी सीमाएं
1	2
1. उप निदेशक, विमान मार्ग तथा विमान क्षेत्र, नागर विमानन विभाग, पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय।	नागर विमानन विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत स्थान।
2. क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता, मुम्बई, मद्रास तथा दिल्ली।	नागर विमानन विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत स्थान, जो कि उनके अपनी-अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के अन्दर स्थित हैं।
3. विमान क्षेत्रों के क्षेत्रीय नियंत्रक कलकत्ता, मुम्बई, मद्रास तथा दिल्ली।	

[सं० ए० सी० 21012/26/73-बी० सी०]

एम० एन० दुग्गल, अव्वर सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, 13th February, 1974.

S.O. 684.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971 (40 of 1971) and in partial modification of the notification of the Government of India in the late Ministry of Works, Housing and Supply No. S.O. 307, dated 28th January, 1959 and in supersession of notification of the Government of India in the late Ministry, Works, Housing and Supply, No. S.O. 1762 dated 19th July, 1961, the Central Government hereby appoints the Officers mentioned in Column 1 of the Table below, being gazetted officers of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column 2 of the said Table.

TABLE

Designation of Officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction.
1	2
1. Deputy Director, Air Routes and Aerodromes, Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.	Premises under the administrative control of the Civil Aviation Department.
2. Regional Directors, Calcutta, Bombay, Madras and Delhi.	Premises under the administrative control of the Civil Aviation Department situated within the limits of their respective jurisdiction.
3. Regional Controllers of Aerodromes, Calcutta, Bombay, Madras and Delhi.	

[No. AV. 21012/26/73-VB.]

S.N. DUGGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1974

का० प्रा० 685.—वायुयान नियम 1937 के नियम 75 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एन० द्वारा उस समय की अवधि को बढ़ा कर 30 अप्रैल 1974 तक करती है जिसके बीच भारत के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय द्वारा अपनी अधिसूचना सं० ए० सी० 15014/10/73-ए०, दिनांक 24 दिसम्बर, 1973 द्वारा नियुक्त किये गये जांच न्यायालय से आशा की जाती है कि वह उपर्युक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट मामलों पर अपनी जांच का कार्य समाप्त कर लेगा और उसकी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को दे देगा।

[का० सं० ए० सी०/15014/10/73-ए०]

सुरेन्द्र नाथ कौल, उप सचिव

New Delhi, the 28th February, 1974

S.O. 685.—In exercise of the powers conferred by rule 75 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby extends upto the 30th April 1974, the period of time within which the Court of Inquiry appointed by the Government of India in the Ministry of Tourism & Civil Aviation by notification No. AV. 15014/10/73-A dated the 24th December 1973, will be expected to complete its inquiry into the matters specified in the notification mentioned above and report to the Central Government.

[F. No. AV. 15014/10/73-A]

S. N. KAUL, Deputy Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1974

का० प्रा० 686.—सड़क परिवहन नियम अधिनियम 1950 (1950 का 64) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मार्च, 1974 की 11वीं तारीख को इस अधिनियम के गोवा, दमन और दीव संघ राज्य क्षेत्र में लागू होने की तारीख के रूप में निश्चित करती है।

[सं० 24-टी (9)/74]

एम० ए० ए० नारायणन, अवसर सचिव

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(Transport Wing)**

New Delhi, the 19th February, 1974

S.O. 686.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950), the Central Government hereby appoints the 11th day of March, 1974, as the date on which the said Act shall come into force in the Union Territory of Goa, Daman and Diu.

[No. 24-T(9)/74]

N. A. A. NARAYANAN, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1974

का० प्रा० 687.—स्थावर सम्पत्ति अधिग्रहण और अर्जन अधिनियम, 1952 (1952 का 30) की धारा 2 के खण्ड (ख) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के निर्माण और आवास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 3063, तारीख 29 सितम्बर, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में "जिला 24-परगना" शब्दों के पश्चात् "और कलकत्ता निगम" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

[का० सं० 19014(2)/69-पा लि० IV]

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 28th February, 1974

S.O. 687.—In pursuance of clause (b) of section 2 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (30 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing S.O. 3063 dated the 29th September, 1973, namely:—

In the said notification, after the words "the District of 24-Parganas", the words "and the Corporation of Calcutta" shall be inserted.

[F. No. 19014(2)/69-Pol. IV]

का० प्रा० 688.—स्थावर-सम्पत्ति अधिग्रहण और अर्जन अधिनियम, 1952 (1952 का 30) की धारा 17 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के निर्माण और आवास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 3062 तारीख 29 सितम्बर, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में "जिला 24-परगना" शब्दों के पश्चात् "और कलकत्ता निगम" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

[का० सं० 19014(2)/69-पा लि० IV]

भार० बी० सक्सेना, उपनिदेशक, सम्पत्ति और पदेन अवसर सचिव

S.O. 688.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 17 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (30 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing S.O. 3061 dated the 29th September 1973, namely:—

In the said notification after the words "the District of 24-Parganas", the words "and the Corporation of Calcutta" shall be inserted.

[F. No. 19014(2)/69-Pol. IV]

R. B. SAXENA, Dy. Director of Estates
and ex-officio Under Secy.**संचार मंत्रालय**

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1974

का० प्रा० 689.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महा-निदेशक ने पुरर टेलीफोन क्षेत्र में दिनांक 1-4-74 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-10/73-पी०एच०बी०]

पी० सी० गुप्ता,

महायुक्त महानिदेशक पी० एच० बी०

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 27th February, 1974

S.O. 689.—In pursuance of para (a) of section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director of General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-4-1974 as the date on which the Measured Rate System will be introduced Parur Telephone Exchange of Kerala Circle.

[No. 5-10/73-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय

आवेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1974

का० प्रा० 690.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में बिनिदिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड की जामशेबा कोलियरी की केन्द्रीय कर्म-शाला, डाकथर जामशेबा जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय-निर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना वांछनीय समझती है;

अतः श्रम, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, (संख्या 2) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

“क्या संघ का यह दावा कि मैसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड की जामदोबा कोलियरी की केन्द्रीय कर्मशाला डाकघर जामदोबा, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र ने निम्नलिखित चालकों को कोयला मजदूरी बोर्ड की विफारिशों के अनुसार वर्ग-6 देना अनुचित रूप से अस्वीकार किया है, न्यायोचित है ? यदि हाँ, तो सम्बन्धित चालक किम अनुलोप के और किस तारीख से हकदार हैं ?

1. श्री बी० के० लाला
2. श्री गया सिंह
3. श्री बजनाथ कुमार
4. श्री इस्माइल
5. श्री राधा माहो
6. श्री हरि लाल गोप
7. श्री अब्दुल गफ़र
8. श्री लक्ष्मी नारायण
9. श्री प्रियाम सुन्दर
10. श्री जगदीश
11. श्री निरंजन सिंह
12. श्री मुख्तार सिंह और
13. श्री राजेन्द्र सिंह

[संख्या एन०-2012/127/73-एल० प्रार०-2]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1974

S.O. 690.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Central Workshops of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the claim of the union that the management of the Central Workshop of Jamadoba Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad have wrongfully denied Category-VI as per the recommendations of the Coal Wage Board to the under mentioned drivers, is justified? If so, to what relief are the concerned drivers entitled and from what date?

1. Shri B. K. Lala,
2. Shri Gyan Singh,
3. Shri Bajnath Kumhar,
4. Shri Ismail,
5. Shri Radha Mahato,
6. Shri Hari Lal Gop,
7. Shri Abdul Gafar,
8. Shri Laxmi Narayan,
9. Shri Sayam Sundar,
10. Shri Jagdish,
11. Shri Niranjana Singh,
12. Shri Mukhtar Singh, and
13. Shri Rajendar Singh.”

[No. L-2012/127/73-LRII]

आदेश

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1974

का० प्र० 691—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में केडला कोलियरी, डाकघर हजारीबाग, जिला हजारीबाग के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, (संख्या 2) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या केडला कोलियरी, डाकघर हजारीबाग, जिला हजारीबाग के प्रबन्धतन्त्र की खण्ड संख्या 41 में नियोजित श्री एस० जी० सिंह, ओवरमैन का मासिक मूल-वेतन 245-10-305-15-440 रुपये के वेतनमान में 4 नवम्बर, 1972 से 265 रुपये नियत करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुलोप का हकदार है ?

[सं० एल-2012/135/73-एल० प्रार०-2]

ORDER

New Delhi, the 13th February, 1974

S.O. 691.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kedla Colliery, Post Office Hazaribagh, District Hazaribagh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Kedla Colliery, Post Office Hazaribagh, District Hazaribagh in fixing the monthly basic pay of Shri S. G. Singh, Overman, employed in Block No. 41, at Rs. 265 in the scale of pay of Rs. 245-10-305-15-440 from the 4th November, 1972 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-2012/135/73-LRII.]

आदेश

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1974

का० प्र० 692—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में दामोदा कोलियरी, डाकघर रातोराज, जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

प्रति, प्रब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या दामोदा कोलियरी, झकषर रानीगंज जिला यशवंत के प्रबन्ध-तंत्र द्वारा सर्वश्री बिनायक सिंह, चपरासी, चौ० लक्ष्मण सिंह, रात्रि चौकीदार और अलगु सिंह, खतन सिरदार को 19 जून 1972 से बर्खास्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं।”

[सं. एल-19012/86/72-एल० चार० 2]

ORDER

New Delhi, the 23rd February, 1974

S.O. 692.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Damoda Colliery, Post Office Raniganj, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

“Whether the management of Damoda Colliery, Post Office Raniganj, District Burdwan was justified in dismissing Sarva Shri Binayak Singh, Chaprasi, Ch. Lachman Singh, Night Guard and Algu Singh, Mining Sirdar from the 19th June, 1972? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?”

[No. L-19012/86/72-LRII.]

New Delhi, the 4th March, 1974

S.O. 693.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I, Post Office Godavari Khani, Andhra Pradesh and the workmen, which was received by the Central Government on 26th February, 1974.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

Present :

Sri T. Narsing Rao, M.A., LL.B., Industrial Tribunal (Central), Hyderabad.

Industrial Dispute No. 11 of 1972

BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I, P.O. Godavari Khani,

AND

Management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I, P.O. Godavari Khani.

Appearances :

Sri A. Lakshmana Rao, Advocate—for Workmen.

Sri M. Shyam Mohan, Personnel Officer, S.C. Co. Ltd., Bellampalli—for Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, and Rehabilitation, by notification No. L/2112/47/71-LRII dated 28-3-1972 referred the industrial dispute between the Employers of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I and their workmen under Sections 10(1)(d) and 7A of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication by this Tribunal on the following issues:—

“1. Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I is justified in not filling up the posts of Category-VI Electricians as stipulated in the Tradesmen Agreement of the fourth October, 1966, by declaring such posts redundant consequent upon the appointment of Electrical chargehands as required under Indian Electricity Rules 1965. If not, to what relief are the Category-V Electricians entitled?”

2. Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-I in rendering the posts of Category-VI Electricians in their mines redundant without giving notice to the registered unions concerned is justified? If not, to what relief are the workmen entitled?”

2. The reference was registered as Industrial Dispute No. 11 of 1972 and notices were directed to the Workmen and the Management. On behalf of the Workmen represented by the Andhra Pradesh Singareni Collieries Mazdoor Sangh, Godavari Khani, the claims statement is filed by the Vice President of the Mazdoor Sangh. It is alleged in the claims statement that the Workmen and the Management of the Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division entered into an agreement on 4-10-1966, known as Tradesmen Agreement. Electricians are described as Tradesmen under this Agreement and that the present dispute is with reference to the Electricians. Under this agreement the number of posts in each category of different trades for each mine was fixed. This agreement which was reached after prolonged discussion is said to have provided for the method and manner of filling up the vacancy in each category. It is thus alleged that the present dispute is in respect of filling the posts of category VIth Electricians as stipulated under the Tradesmen Agreement. In June 1970 the Management is said to have unilaterally declared the posts of category VIth Electricians in different Mines as redundant and stopped filling up those posts. This act of the Management is said to be in flagrant violation of Section 9A of the I.D. Act and Rule 34 made thereunder. The Management is said to have alleged that it had to appoint Charge Hands and therefore the posts of Category VI Electricians have become redundant. The stand taken by the Management is said to be illegal, improper, and unjust. It is however alleged that under a statutory obligation under the Indian Electricity Rules and Coal Mines Regulation, the Management has to appoint qualified Electrical Supervisor with competency certificate in order to ensure the safety of the workers in the Mines. But the posts of Electrical Supervisors or Chargehands are said to be entirely different from the posts of Category VI Electricians. It is thus alleged that the Management cannot declare the posts of Category VI Electricians as redundant under the pretext of or for the reason of appointing the Chargehands. The nature of the duties and the nature of the appointment to both the posts are said to be entirely different. It is also alleged that since 1966, the Mines in Ramagundam area have been developed and that there has been increase in the production as well as in the labour strength. It is thus suggested that there are no grounds either for abolishing or not filling the posts of Category VI Electricians. It is further alleged that the Management resorted to an unfair method of declaring Category VI Electricians posts as redundant with a view to deprive the eligible and competent electricians in Category V. It is contended that as per the Tradesmen Agreement, these Electricians were automatically entitled to get Category VI whenever there is a vacancy. An instance of Sri G. Linbadi Category V Electricians is cited to show that but for declaring the Category VI post as redundant, he would have got promotion as he is an I.T.I. Trained candidate and a H.C.S. Passed candidate and that he is the senior-most among the Category V Electricians. It is also urged that some juniors to him were given Category VI over looking his valid and just claim. This Tradesmen Agreement is alleged to be subsisting even though one of the workers Union gave notice of termination. The contention is that so long as this Agreement is not replaced by another Agreement the same continues to subsist and binds both the parties. By declaring

Category VI post as redundant, it is alleged that the conditions of service of the workmen are changed and that the Management while changing the conditions have not followed the procedure laid down under Section 9A of the I.D. Act. The Management is said to have not served any notice on the Andhra Pradesh Singareni Collieries Mazdoor Sangh, a registered Trade Union. The Electricians in Category V are said to belong to this Union. It is thus alleged that as no notice of proposed alteration of the conditions is served on this Union, the act of the Management in declaring the posts as redundant is in violation of the provisions of the Industrial Disputes Act. Thus a direction is sought to the Management to fill up the vacancies in Category VI Electricians as per the Tradesmen Agreement by promoting Category V Electricians.

3. In the counter filed by the Management, it is admitted that certain categories of posts were covered by the Tradesmen Agreement but it is alleged that the number of posts in each category shown therein is not a rigid one. It is however alleged that the categories have been abridged to 6 under the Wage Board Recommendations, and therefore the provisions regarding old categories under the Mazumdar Award are no more in operation. It is alleged that the claim of workmen for filling up the vacancies of Category VI Electricians is not covered by the Tradesmen Agreement and that the Agreement has also been terminated on 7-9-1970. The Management is said to have displayed a notice dated 21-6-1970 stating that after posting of Electrical Chargehands at each of the Mines, the post of Category VI Electrician has become redundant. It is alleged that with effect from April, 1970, Electrical Chargehands were posted to satisfy the statutory provisions and Electrical Supervisors with necessary certificates have been posted. It is also alleged that those Electricians in Category VI possessing the necessary certificates were posted as Chargehands. As such the posts of Category VI Electricians became redundant and were so declared. It is alleged that there is no violation of Section 9A of the I.D. Act in as much as in appointing the Electrical Chargehands and the Management only complied with the Rules. It is also contended that as the qualified Category VI Electricians were posted as Chargehands, the said posts have been up graded. The necessary designation or the number of posts and the manner of filling them is said to be a matter entirely in the discretion of the Management and it is further alleged that there cannot be two incumbents against one post which has to be created under the Electricity Rules. As an act of *bona fides* on the part of the Management, it is alleged that no fresh candidates were recruited to the posts of Chargehands from outside, as the said posts are filled from among the qualified Category VI Electricians. It is also alleged that the posts as laid down in the Tradesmen Agreement are kept to the same strength and that the Management has a valid reason to alter the designation or for up grading the post on account of the changed situation. Thus the claim of the workmen to continue Category VI post in spite of the creation of Chargehands post, is said to be far-fetched. Thus the claim of the workmen that the posts of Chargehands and Category VI Electricians are different is denied. It is further alleged that since 1966 the Mines in Ramagundam area have suffered recession and the number of Mines under the Mines Act have been rationalised. The increase in the production figures or the labour strength is alleged to be irrelevant. It is denied that the Management has resorted to any unfair labour practice in declaring Category VI posts as redundant. The contention of the workmen that Category V Electricians are automatically entitled for promotion to Category VI Electricians posts is said to be misconceived. The instance of Sri Limbadri is said to be a wrong example. It is explained that he was a junior and he could not be promoted to Category VI as there was no vacancy at the relevant period. It is asserted that the eligible Electricians were promoted and though designated as Chargehands, they were performing the duties of Category VI Electricians. It is thus alleged that there is no change in the position as such either in the Tradesmen Agreement or in the situation on account of the termination of the said Agreement by one of the Unions or not by replacing it with a fresh agreement. The change in the conditions of service is denied. It is alleged that the invocation of Section 9A of the I.D. Act is misleading. It is asserted that in redesignating the posts or maintaining the strength of posts of a particular category, the Management has absolute say. Thus the declaration of Category VI posts as redundant is sought to be justified. The second part of the reference is said to be bad in law as the Management has laid down its policy by notice. The contention is that no outside agency can interfere with such managerial function.

It is also contended that there cannot be any direction to the Management to promote a particular Category V Electricians to Category VI irrespective of his merits. In short, it is denied that there was any change in the conditions of service or that the existing Category VI Electricians were disturbed or the claims of any others are superseded.

4. While evidence on behalf of the Management was in progress, Tandur Coal Mines Labour Union sought to be substituted for the Petitioner-Workmen. That Union was however ordered to be impleaded as Petitioner No. 2 in Miscellaneous Petition No. 54 of 1973. That Union has not chosen to file any counter nor did it lead any further evidence either for itself or on behalf of any other workmen.

5. On behalf of the Workmen Sri G. Limbadri is examined as W.W.1 in oral evidence. Two witnesses are examined in rebuttal. M.W.1 is the Divisional Engineer of Ramagundam Division. M.W.2 is the Assistant Engineer in incline No. 2 of Godavary Khani. The Management also relied upon Exs. M1 to M5 in documentary evidence. No documentary evidence is let in by the Workmen. Exs. M1 and M2 are the relevant extracts of Indian Electricity Rules. Ex. M3 is a copy of the promotion orders under which as many as 18 qualified Electricians either from Category VI or otherwise are promoted and posted as chargehands. Ex. M4 is a copy of the notice issued by the Manager of Godavary Khani Incline No. 7, stating that the Category VI Electrician post has become redundant. Ex. M5 is the Tradesmen Agreement.

6. The controversy lies in a narrow compass. It is however necessary to state few facts that emerge from the evidence. There are two Divisions in Ramagundam. According to W.W.1 Godavary Khani Incline Nos. 1, 2 and 3 are in Division No. 1 of Ramagundam and Incline Nos. 5, 6 and 7 are in Division No. II. In Incline No. I there are two sections known as Hand Section and Machine Mining Section. Similarly there are two sections in Incline No. 5. But it is however seen in Annexure to Ex. M5 that there is only one such section in Incline No. 5. Prior to the Wage Board recommendations there were four categories of Electricians, they were Category No. 4, 5, 7 and 9. Consequent to the implementation of the Wage Board recommendations from 15th August, 1967, Categories 7 and 9 were assigned new categories 5 and 6 respectively. W.W.1 who was initially appointed in the old Category IV was promoted to Category VII old, thus after the implementation of the Wage Board recommendations, he was placed in Category V. It is common case that the Tradesmen Agreement was entered into on 4-10-1966 as per Ex. M5. Thus the number of posts of old category IV Electricians for the six inclines (in Division No. I and II) are in all seven. These seven posts of old Category IX Electricians are re-designated after the Wage Board recommendations as Category VI posts. It is equally a common case that at the time when the Tradesmen Agreement was reached no provision has been made for the appointment of Electrical Supervisors or the Chargehands. It is also admitted by the Workmen that the post of Electrical Supervisor has to be created by the Management under a Statutory obligation. It is also seen from Ex. M1 that under the Indian Electricity Rules 1956 it is enjoined that the Consumption of electricity must be under the direct supervision of a person holding a certificate of competency issued or recognised by the State Government. Thus only a person holding a certificate of competency is eligible for appointment as a Supervisor or a Chargehands. Though the Management has attempted to show that the nature of duties performed by Supervisor or a Chargehand are not different from that of Category VI Electricians, it was contended on behalf of the Workmen that the former is a Supervisory post and that the duties of an Electrician of VIth category is to attend to the break downs etc. It is equally relevant to note that under the Wage Board recommendations, these two posts have come to be shown differently. That aspect relating to the duties or overlapping of the duties is not of much material consequence in deciding the issue in question.

7. It is however a common case that under the Tradesmen Agreement, the manner of promotion from one post to the higher stands agreed. One of the terms of the said agreement is as follows :—

"Tradesmen from one category to another shall be promoted on the basis of Seniority, Technical qualifications, reports of their work and their performance in the Trade Test."

"Electricians to Category IX will be required to produce a certificate from the Licensing authority of Andhra Pradesh Government in Future." Reading this clause, it would be clear that new Category V Electricians are entitled to be promoted to Category VI post if they fulfil the above qualifications. It is equally relevant to note that only new Category VI Electricians are required to produce a certificate from the Licensing authority. While the new Category V Electricians have to appear for a Trade Test, it is not necessary for them to produce a certificate from the Licensing authority before they could be promoted to Category VI. The plea of the Management as to how they dealt with Category VI Electricians posts after the Chargehands are posted appears to be inconsistent. In one breath it is said that Category VI posts have been upgraded. In the other, it is said that Category VI posts still continue. Without much discussion it may be said that the redesignation of a post for fixing the cadre strength, in the absence of any prior settlement, is certainly a managerial function. But where a post is sought to be upgraded, it should be so without affecting the rights or the prospect of promotion of the workmen who are entitled in the normal course for being promoted to that post. Assuming that the post of Category VI Electricians has been upgraded, the necessary requirements for being qualified to hold that post is the certificate of competency. As noted above though passing of a trade test, which is an internal one, is necessary for being qualified for promotion to Category VI by a post holder of Category V, the requirement of a competency certificate for being posted or promoted as Chargehands is entirely different one. There is thus a change in the conditions of service by upgrading this post, so far as it relates to Category V Electricians. It was strenuously contended for the Management that passing of a Trade test by a Category V Electrician is more difficult than that of obtaining a competency certificate. It is thus suggested that Category V Electrician can easily obtain in competency certificate and thus qualify himself for being promoted as Chargehand. It is true that the emoluments of Category VI Electrician including the increments come to Rs. 430.00 and whereas the Chargehands grade is upto Rs. 440.00. Promotion of qualified electrician either from the Category VI or from Category V to the post of Chargehand already made is not by itself an answer to the claims of Category V Electricians who make a grievance that their opportunities for promotion to Category VI are deprived. Similarly the fact that outside candidates are not recruited to the post of Chargehands is no answer to the claims of Category V Electricians. Suffice it to say, that in view of the competency certificate which enables the promotion to the Chargehand post, (With Category Electricians post upgraded) it can be said that the chance of promotion as condition of service or at any rate a condition of the agreement stands marred. There is thus an alteration of conditions of service so far as it relates to Category V Electricians. It is equally the version of the Management as is disclosed by evidence of M.W. 1 that in Incline Nos. 1, 2, 3 and 7 at present there are both Charge hands and Category VI Electricians, and in the other two inclines, there are no Category VI Electricians. As noted above, according to W.W.1, in both the Divisions there are three vacancies of Category VI Electricians. But from the version of M.W.1 there are only two vacancies. M.W.2 would explain that whenever there is vacancy in Category VI that post is not being filled. It would appear that wherever Category VI Electricians are not qualified to be posted as Chargehands they are allowed to continue in those posts. Ex. M4 would lend support to this view. It reads as follows :

"After posting of Electrical chargehand at this mine (Gdk. No. 7 Incline), the post of category VI electrician had become redundant.

Sri G. Rajamallu, Category VI electrician working at this mine shall continue to work at this mine till a suitable vacancy is found for him in other departments."

If this exhibit is read along with Ex. M3, the list of persons posted as Chargehands, it is evident that those qualified or having the competency certificate either from Category VI or even Category V are promoted or posted as Chargehands, and those Category VI Electricians not thus qualified are allowed to continue in those posts. It would however appear that the said posts are held to be redundant by the Management. If Category VI Electricians post is either abolished or not filled, the chance of promotion of Category V Electricians are certainly affected. It might be that the

Management has to create the post of Chargehands or Supervisors as per an obligation of a statute, but by the creation of such a post, the post of Category VI Electrician cannot be abolished, nor can it be so upgraded thereby enjoining a new qualification for being promoted to that post. It is equally relevant at this stage to note that the reference is specifically in respect of Division No. 1. Though W.W.1 would depose that in addition to one vacancy in Incline No. 1, the posts of Category VI Electrician in Inclines 5 and 6 are left unfilled, for the purpose of this reference I would hold that only one vacancy in Incline No. 1 has to be filled up by the Management. It is equally pertinent to note that there cannot be a direction by the Tribunal that a particular electrician of Category V should be promoted to Category VI. This is so in view of the fact that even under the Tradesmen Agreement certain qualifications have to be fulfilled before one can be promoted to Category VI. All that can be said is that the Management has to fill up that vacancy of one post of Category VI Electrician in Incline No. 1.

8. I would now advert to the legal aspects. As noted above, the strength of the posts in Category VI and the manner of promotion to that post were agreed under the Tradesmen Agreement. The contention of the Management is that they have displayed a notice on the Notice Board saying that Category VI is redundant in view of the posting of Chargehands. I have already held that in view of the requirement of the competency certificate for being posted as Chargehands, there is a new condition as to the condition of service of Category V Electricians, there is an alteration of the condition of service. In the first instance, there is no evidence on behalf of the Management to show that such a notice was displayed on the Notice Board. M.W. 2 would only depose that he has seen such notice in the records and a letter from the Deputy General Manager for displaying the said Notice. It is not shown that the said notice as to the proposed abolition of Category VI post was sent to the concerned recognised Trade Union. Section 9A of the I.D. Act enjoins upon an employer giving a notice to the workmen likely to be affected by the proposed change in the conditions of service. It is not only Category VI Electricians that are being affected by the proposed change but also Category V Electricians as the proposed change would affect their chances of promotion. It might be that one may not claim a promotion as of right but since under the Tradesmen Agreement, the conditions of promotion are laid down, any alteration in those conditions has to be intimated to the workmen likely to be affected by it. There is thus a breach of Section 9A of the I.D. Act. There is another infirmity. Section 9A of the I.D. Act is only a procedural one. Where the terms and conditions of service are laid down by agreement, they can be changed only by entering into a subsequent settlement. It is conceded by the Management that no such settlement replacing the former has been entered into, though it is said that such a settlement is in the offing. While discussing the scope of Section 9A of the I.D. Act, it is held in *H. SHINDE v. INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY* (AIR 1970 BOMBAY, page 213—on page 220):

"In this case, the terms and conditions of service as regards dearness allowance payable to the workmen are fixed by the Baxi award and these terms and conditions of service must continue to operate and be binding between the parties until they are changed by agreement of parties or settlement or an award made on a reference under Section 10."

In this very context, it was held that Section 9A is only procedural and does not create extra or new right in favour of an employer. It has therefore to be held that the alteration of the conditions of service without any notice to the Registered Union is not justified. This answers the second part of the reference.

9. There is another aspect of the matter. One of the Registered Union is said to have given notice terminating the Tradesmen Agreement. We are now concerned with the effect of such termination. It is not disputed that the espousal of the cause of Colliery Mazdoor Sangh is by a registered Union. One Bhasker Rao, Secretary of the Singareni Collieries Workers Union appears to be a party to that Tradesmen Agreement. It is now claimed by the workmen that they belong to the Colliery Mazdoor Sangh which is entirely different from the Collieries Workers Union. Be that whatever it may. Even where a settlement is terminated,

it still continues to bind the parties as a contract. It is held in NARAYANSWAMY v. PRESIDING OFFICER, LABOUR COURT [1971 (1) LLJ, page 310 Madras] following AIR 1964 Supreme Court, page 1522:

"As regards the period of operation of a settlement it is provided by Sub-Section (2) Section 19, that it shall be binding for such period as is agreed upon by the parties, and if no period is agreed upon for a period of 6 months from the date on which the memorandum of settlement is signed and shall continue to be binding on the parties until the expiry of two months from the date on which a notice in writing of an intention to terminate the settlement is given by one of the parties. The Management gave notice of termination on 1-6-62. No subsequent settlement was arrived at. On the authority of the principles laid down..... it would follow that the petitioner is entitled to ask for relief on the basis of the settlement until it is superceded by a subsequent settlement."

Ex. M 5 does not prescribe any period of its operation. Even though one of the Unions is said to have given a notice of its termination, in the absence of any other settlement replacing Ex. M5, it must be held that it continues to bind the parties as a contract and the workmen herein can seek relief on its basis.

10. In the light of the above discussions, I hold that one post of Category VI Electrician in Incline No. 1 of Ramagundam Division I has to be filled by the Management by promotion from Category V Electrician's post. There cannot however be a direction that a particular Electrician from Category V is to be promoted. Thus the action of the Management in holding this post as redundant is held to be unjustified. Part 2 of the reference is already answered in the fore-going paras.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 29th day of January, 1974.

Sd/- Illegible,
Presiding Officer
Industrial Tribunal

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined for Workmen.	Witnesses examined for Management.
W.W.1: G. Limbudri.	M.W. 1: A. Satyanarayana.
	M.W. 2: G. V. Krishna Rao.

Documents exhibited for Workmen.

NIL.

Documents exhibited for Management

Ex. M1: Extract of Rule 45 from Electricity Rules, 1956
Ex. M2: Extract of Rules 131 and 132 from Indian Electricity Rules, 1956.
Ex. M3: Copy of the promotion orders, dt. 3-4-1970 issued by the General Manager, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem to 18 workers as Electrical Charge-hands.
Ex. M4: Copy of the notice, dated 21-6-1970 issued by the Manager, Singareni Collieries Company of Godavary Khani No. 7 Incline, that the post of Category VI Electrician had become redundant.
Ex. M5: Tradesmen Agreement.

Sd/- Illegible,
Presiding Officer
Industrial Tribunal
[No. L-2112/47/71-LRII]
KARNAIL SINGH, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1974

का. आ. 694.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स एस. के. साहाना एण्ड सन्स लिमिटेड, अभूक खान स्वामी, डाकघर कोडरमा, जिला हजारीबाग के प्रबन्ध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (संख्या 2) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है ।

अनुसूची

क्या मैसर्स एस. के. साहाना एण्ड सन्स, लिमिटेड, डाकघर कोडरमा, जिला, हजारीबाग के प्रबन्ध तंत्र द्वारा अरारिया अभूक खान के श्री मुसाफिर सिंह, पम्प खलासी, को 22 अगस्त, 1974 से पदच्युत करना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार हैं ?

[एल-28012/4/73-एल. आर.-4]

New Delhi, the 25th January, 1974

S.O. 694.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs. S. K. Sahana and Sons Limited, Mica Mine Owners, Post Office Kodarma, District Hazaribagh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the dismissal of Sri Musafir Singh, Pump Khalasi at Arraria Mica Mine from the 22nd August, 1973 by the management of Messrs S. K. Sahana and Sons Limited, Post Office Kodarma, District Hazaribagh was justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?

[No. L-28012/4/73-LR. IV]

आदेश

नई दिल्ली 7 फरवरी, 1974

का० आ० 695.—यतः इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद श्री एन० जयदेवप्पा पीठासीन अधिकारी औद्योगिक अधिकरण बंगलोर के समक्ष लम्बित है ;

और यतः श्री श्री० एन० जयदेवप्पा की सेवाएं अब उपलब्ध नहीं रहें हैं ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 33-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० सी० कोनूर होंगे जिसका मुख्यालय बंगलूर होगा और उक्त विवाद से सम्बद्ध कार्यवाहियों को श्री बी० एन० जयदेवप्पा से लेकर उक्त औद्योगिक अधिकरण बंगलूर को इस विदेश के साथ अन्तर्गत करती है कि उक्त अधिकरण उक्त कार्यवाहियों पर उसी प्रक्रम से कार्यवाही करेगा जिस पर वह उसे अन्तर्गत की गई है और विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा।

अनुसूची

क्रम सं०	विवाद के पक्षकार	निर्देश सं० और तारीख
1	प्रीमियर इन्श्योरेंस कम्पनी मैसूर के कर्मकार और प्रबंध-सूत्र	आदेश संख्या एल-12025/15/73 एल आर-3 तारीख 5 मई 1973 द्वारा यथा संशोधित आदेश सं० 40/15/70-एल आर 1 तारीख 15 मई, 1970।

[फा० सं० 40/15/70-एल आर 1]

एस० एस० सहस्रनामान, अवसर सचिव।

New Delhi, 7th February, 1974

ORDER

S.O. 695.—Whereas the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before Shri B. N. Jayadevappa, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bangalore.

And whereas the services of Shri B. N. Jayadevappa have ceased to be available;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes and Industrial Tribunal with Shri M. C. Konnur, as the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore, withdraws the proceedings in relation to the said dispute from Shri B. N. Jayadevappa and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Bangalore for the disposal of the said proceedings with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

Sl. No.	Parties to the dispute	Reference number & date.
1.	Workmen and the Management of Premier Insurance Company, Mysore.	Order number 40/15/70-LRI dated the 15th May, 1970 as amended by order number L-d 12025/15/73-LRIII date the 5th May, 1973.

[F. No. 40/15/70-LR.I]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1974

फा० आ० 696.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में नेशनल एण्ड ग्रिन्डलेस बैंक लिमिटेड से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करता बांछनीय समझती है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

ब्या नेशनल एण्ड ग्रिन्डलेस बैंक लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रबन्धतंत्र की, प्रधान रोकड़िया के पद पर प्रोन्नति के विषय में कनिष्ठ कर्मकार, श्री एच० सी० कपूर द्वारा श्री हिरा लाल सेठ, ज्येष्ठ सहायक प्रधान रोकड़िया को प्रतिष्ठित करने और उसे 2 जनवरी, 1973 को बैंक की सेवा से निवृत्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोप का हकदार है?

[सं० एल० 12012/111/73/एल आर 3]

के० एम० त्रिपाठी, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 6th February, 1974

S.O. 696.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the National and Grindlays Bank Limited and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the National and Grindlays Bank Limited, New Delhi in superseding Shri Hira Lal Seth, Senior Assistant Head Cashier by a junior workman, Shri H. C. Kapoor in the matter of promotion to the post of Head Cashier and in retiring him from the Bank's service on the 2nd January, 1973 is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. L-12012/111/73/LRIII]

K. M. TRIPATHI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1974

फा० आ० 697.—यतः कलकत्ता पत्तन आयुक्तों और कलकत्ता पत्तन की दो शुष्क गोदियों के कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद को भारत सरकार के श्रम मंत्रालय के आदेश संख्या एल-32011/11/73-पी० एण्ड डी०, तारीख 5 फरवरी, 1974 द्वारा न्यायनिर्णयन के लिए केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को निर्देशित किया गया है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विवाद के सम्बन्ध में विद्यमान हड़ताल के जारी रहने को प्रतिषिद्ध करती है।

[एल-32011/11/73-पी० एंड डी०]

ORDER

New Delhi, the 25th February, 1974

S.O. 697.—Whereas, by the order of the Government of India in the Ministry of Labour No. L-32011/11/73-P&D dated the 5th February, 1974 an industrial dispute between the Calcutta Port Commissioners and their workmen in the two Dry Docks of Calcutta Port has been referred to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby prohibits the continuance of strike in existence in connection with the said dispute.

[L-32011/11/73-P&D]

आदेश

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1974

का० प्रा० 698.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में इससे उपाबद्ध अनुसूची 1 में वर्णित संविदाकारों/नौभरकों/नियोजकों के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची-1

(संलग्न सूची के अनुसार)

सूची

1. मेसर्स ब्रुगली लाइटरेज कम्पनी, 5, दिवार बक्स लेन, कलकत्ता-16
2. मेसर्स एस० ए० अजोब एण्ड कम्पनी, 1/1 बी, हकबालपुर रोड, कलकत्ता-23
3. मेसर्स अपोलो मैरीन सिण्डिकेट, 70/6, डायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता-23
4. मेसर्स जे० एम० मुखर्जी एण्ड कम्पनी, 20 स्टैंड रोड, कलकत्ता-1
5. मेसर्स ए० सतार एण्ड कं० 5/सी, मेमिनपुर रोड, कलकत्ता-23
6. मेसर्स ए० दास एण्ड कम्पनी, 9, जिस्टस चन्द्र माधव रोड, कलकत्ता-20
7. मेसर्स पेन्ट कलर एण्ड वार्निश कम्पनी, फालगुहास, लेन, कलकत्ता-12
8. मेसर्स एन० एम० ब्रदर्स, 82/सी, डा० सुधीर बोस रोड, कलकत्ता-23
9. मेसर्स मोतीलाल शर्मा, 48/बी, सर्कुलर गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-23
10. मेसर्स यूनाइटेड सेलिन कम्पनी 20, चांदनी चौक स्ट्रीट, कलकत्ता-13
11. मेसर्स एलेक्स मिल्लर (एस सी) प्राइवेट लिमि० 7, प्रोटेज कोर्ट हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-1
12. मेसर्स मुमीर अहमद एण्ड कम्पनी, 4/बी, कोइल सड़क रोड, कलकत्ता-23

145 G of I/73—6

13. मेसर्स मनलाल गुहग, 27, मुन्शीगंज रोड, कलकत्ता-23
14. मेसर्स भार० एल० शर्मा एण्ड कम्पनी 5, स्वर्णलता स्ट्रीट, कलकत्ता-23
15. मेसर्स साहमन ट्रेडर्स, 27 बी, सर्कुलर गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-23
16. मेसर्स इस्टन सप्लाय सर्विसेज, 42/1, हेमचन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-23
17. मेसर्स अय्युल समथ एण्ड ब्रदर्स, न्यू/596, गुलाब रब लेन, कलकत्ता-24
18. मेसर्स इस्टन सिपिंग सर्विसेज, 15, हाजी मुहम्मद हुसेन स्क्वायर, कलकत्ता-16
19. मेसर्स रीवर ट्रांसपोर्ट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी, 5, मंगू लेन, कलकत्ता-1
20. मेसर्स कलकत्ता वाचमैन सप्लायर्स, 13/ए, सेन्ट जार्ज टेरस, हेस्टिंग, कलकत्ता-22
21. मेसर्स टी० बी० लामा, 24, पन्त मिशन रोड, कलकत्ता-23
22. मेसर्स यूनिवर्सल क्लीयरिंग एण्ड फार्वरिंग एजेंसी, 5, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-20
23. मेसर्स रायल इंडियन ट्रेडर्स, 116, सर्कुलर गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-23
24. मेसर्स लाइब्रेरी मेरीन मिण्डिकेट, 63/8 ए, डा० सुधीर बसु रोड, कलकत्ता-23
25. मेसर्स सी० लारिक एण्ड कम्पनी, 3, मंगू रोड, कलकत्ता-1
26. मेसर्स इन्द्रा मोटर्स (प्रा०) लिमिटेड, 57, डायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता-23
27. मेसर्स कलकत्ता वाचमैन रिजर्व्स पूल, 95/5/6, गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-1
28. मेसर्स बोस एण्ड कम्पनी 33/बी, हिल्मुस्तान रोड, कलकत्ता-29
29. मेसर्स अय्युल बारी 50, वाटगंज स्ट्रीट, कलकत्ता-23
30. सचिव, कलकत्ता मास्टरसिप कांटेक्टर्स एसोसिएशन, पी० 11, मिशन रोड, एक्सटेंशन, कलकत्ता-1

अनुसूची-2

“क्या अनुसूची 1 में वर्णित संविदाकारों/नौभरकों/नियोजकों द्वारा नियोजित चौकीदार वर्ष 1972-73 के लिए बोनस का हकदार है ? यदि हां, तो किस दर और किस शर्त, यदि कोई हो, के अनुसार ?

[सं० एल-32011/17/73-पी० एण्ड डी०]

ORDER

New Delhi, 27 th February, 1974

S.O. 698.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of contractors/Stevedores/employers mentioned in Schedule I annexed hereto and their workmen in respect of the matters specified in Schedule-II annexed hereto;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE-I

1. M/s. Hooghly Lighterage Company, 5, Dedar Bux Lane, Calcutta-16.
2. M/s. S.A. Aziz & Company, 1/1B, Ekbalpur Road, Calcutta-23.
3. M/s. Apolo Marine Syndicate, 70/6, Diamond Harbour Road, Calcutta-23.
4. M/s. J.N. Mukherjee & Company, 20, Strand Road, Calcutta-1.
5. M/s. A. Sattar & Company, 5/C, Mominpore Road, Calcutta-23.
6. M/s. A. Das & Company, 9, Justice Chandra Madhab Road, Calcutta-20.
7. M/s. Paint Colour & Varnish Company, 12, Phalgundas Lane, Calcutta-12.
8. M/s. M.H. Brothers, 82/C, Dr. Sudhir Bose Road, Calcutta-23.
9. M/s. Motilal Sarma, 48/B, Circular Garden Reach Road, Calcutta-23.
10. M/s. United Marine Company, 20, Chandni Chowk Street, Calcutta-13.
11. M/s. Alex Miller (SC) Pvt. Ltd., 7, Old Court House Street, Calcutta-1.
12. M/s. Monir Ahmed & Company, 4/B, Koila Sarak Road, Calcutta-23.
13. M/s. Manlal Gurung, 27, Munshiganj Road, Calcutta-23.
14. M/s. R.L. Sarma & Company, 5, Swarnalata Street, Calcutta-23.
15. M/s. Simon Traders, 27/B, Circular Garden Reach Road, Calcutta-23.
16. M/s. Eastern Supply Services, 42/1, Hemchandra Street, Calcutta-23.
17. M/s. Abdul Samad & Brothers, Q/596, Golab Rub Lane, Calcutta-24.
18. M/s. Eastern Shipping Services, 15, Haji Mohammed Mohsin Square, Calcutta-16.
19. M/s. River Transport & Trading Company, 3, Mangee Lane, Calcutta-1.
20. M/s. Calcutta Watchmen Suppliers, 13/A, St. George Terrace, Hastings, Calcutta-22.
21. M/s. T.B. Lama, 24, Pent Mission Road, Calcutta-23.
22. M/s. Universal Clearing & Forwarding Agency, 5, Acharya Jagadish Ch. Bose Road, Calcutta-20.
23. M/s. Royal Indian Traders, 116, Circular Garden Reach Road, Calcutta-23.
24. M/s. Liberty Marine Syndicate, 63/8A, Dr. Sudhir Basu Road, Calcutta-23.
25. M/s. C. Laurie & Company, 3, Mangee Lane, Calcutta-1.
26. M/s. Indra Motors (P) Ltd., 57, Diamond Harbour Road, Calcutta-23.
27. M/s. Calcutta Watchmen Reserve Pool, 95/5/6, Garden Reach Road, Calcutta.
28. M/s. Bose & Company, 33/B, Hindustan Road, Calcutta-29.
29. M/s. Abdul Bari, 50, Watgung Street, Calcutta-23.
30. The Secretary, Calcutta Master Ship Contractors' Association, P. 11, Mission Row Extension, Calcutta-1.

SCHEDULE-II

"Whether the watchmen employed by the contractors/stevedores/employers mentioned in Schedule-I are entitled to bonus for the year 1972-73? If so, at what rate and with what conditions, if any?"

[No. L-32011/17/73-P&D]

प्रावेश

का० प्रा० 699—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स डी० बी० खोना क्लियरिंग एण्ड फॉरवार्डिंग एजेंट्स कोचीन-2 के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधीकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० पलानिअप्पन होंगे जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद औद्योगिक अधीकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मेसर्स डी० बी० खोना, क्लीयरिंग एण्ड फॉरवार्डिंग एजेंट्स, कोचीन का केशव अय्यर, माद्रानुपाती कर्मचारी को वर्ष 1970-71, 1971-72 और 1972-73 के लिए बोनस न देना न्यायोचित है ? यदि नहीं तो श्री केशव अय्यर किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एन-35012/3/73-पी० एण्ड डी०]

ORDER

S.O. 699.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin-2 and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether Messrs. D. B. Khona, Clearing and Forwarding Agents, Cochin are justified in denying bonus for the years 1970-71, 1971-72 and 1972-73 to Shri Kesava Iyer, Piece-rated employee? If not, to what relief is Shri Kesava Iyer entitled?"

[No. L-35012/3/73-P&D]

प्रावेश

का० प्रा० 700.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में लान्व "विलियम" वास्को-ड-गामा (गोवा) के स्वामी श्रीमती विरोनिका जिसूजा के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधीकरण (सं० 2) मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

“क्या लान्च “विलियम” वास्को-ड-गामा (गोवा) के स्वामी श्रीमती विरोनिका डिझूजा का श्री रामचन्द्र दिगम्बर सावन्त लान्च खानसी, कर्मकार की सेवाओं को समाप्त करना न्यायोचित है ?

यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुलोष का और किस तारीख से हकदार है ?”

[सं० एल० 36012/6/73-पी एण्ड डी]

ORDER

S.O. 700.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Shrimati Veronica D'Souza, Owner of Launch “William”, Vasco-da-Gama (Goa) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

“Whether Shrimati Veronica D'Souza, Owner of Launch “William” Vasco-da-Gama (Goa), is justified in terminating the services of the workman Shri Ramchandra Digambara Sawant, Launch Khalasi ?

If not, to what relief is the workman entitled and from what date ?”

[No. L-36012/6/73-P&D]

आदेश

नई दिल्ली, 1 मार्च 1974

का० आ० 701.—कांडला डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम 1969 में और संशोधन करने के लिये स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है जिनका उमरसे प्रभावित होना संभाव्य है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 2 मास की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जायेगा।

उक्त प्रारूप के बारे में किसी व्यक्ति से जो आक्षेप या सुझाव इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के पूर्व प्राप्त हो सकेंगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायेगा।

प्रारूप स्कीम

1. इस स्कीम का नाम कांडला डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) प्रथम संशोधन स्कीम 1974 है।

2. कांडला डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1969 के खण्ड 35 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

“35. उस दशा में मजदूरी का दिया जाना जब कि काम पर लगाने के पश्चात् काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है :—जब भारक्षित पूल का कोई कर्मकार काम के लिये हाज़िर होना है और किसी कारण वजह काम जिसके लिये वह हाज़िर हुआ है, प्रारम्भ या चालू नहीं हो सकता है और उसके लिये कोई दूसरा काम नहीं पाया जाता है, तो वह उसी प्रवर्ग के लिये जिससे उसका संबंध है, समुचित

महंगाई भत्ता सहित बैंक मजदूरी वर पाने का हकदार होगा; परन्तु यह तब जब कि वह पारी के शेष भाग के दौरान उपलब्ध रहता हो और ऐसे दूसरे नियोजन स्वीकार कर लेता हो जो उसे प्रशासनिक निकाय द्वारा दिये जाएँ।”

[का० सं० V-17012/3/71-पी०एण्ड डी०]

ORDER

S.O. 701.—The following draft of a Scheme further to amend the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1969 which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published, as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT SCHEME

1. This Scheme may be called the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1974.

2. For Clause 35 of the Kandla Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1969, the following clause shall be substituted, namely:—

“35. Payment of wages when work is not made available after engagement.—When a worker in the reserve pool presents himself for work and for any reason the work for which he has attended cannot commence or proceed and no alternative work can be found for him he shall be entitled to daily wage rate inclusive of dearness allowance appropriate to the category to which he belongs; Provided the continues to be available throughout the remainder of the shift and accepts such alternative employment as may be offered to him by the Administrative Body.”

[File No. V-17012/3/71-P&D]

का० आ० 702.—यतः कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षकीय कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में संशोधन करने के लिये कतिपय प्रारूप स्कीम, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2908 तारीख 25 मिनम्बर, 1973 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 6 अक्तूबर, 1973 के पृष्ठ 3496 पर, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित प्रकाशित की गई थी; जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनका उमरसे प्रभावित होना संभाव्य था, दो मास की अवधि की समाप्ति तक आक्षेप या सुझाव मांगे गये थे।

और यतः उक्त राजपत्र जनता को 8 अक्तूबर, 1973 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त प्रारूप पर जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं किया गया है;

अतः, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षकीय कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित स्कीम बनाती है; अर्थात्

1. संक्षिप्त नाम और प्राकट्य—(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षकीय कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1974 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. कलकत्ता डाक लिपिकीय और पर्यवेक्षकीय कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1970 में—

(1) खण्ड 2 के उपखण्ड (5) में, "पत्तन में छीलन तथा रंगरोगन के कार्य में" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तः स्थापित किये जायेंगे, अर्थात्:—

"या उन साधारण प्रयोजन मजदूरों, बढ़इयों और सज्जकों के, जो केवल उन्हीं प्रवर्गों के कर्मकारों के नियोजन के लिये रजिस्ट्रीकृत टेक्नारों के माध्यम से पत्तन में पोत पर नियोजित किये गए हैं, नियोजन से संबंधित किसी कार्य में लगा हुआ है";

(2) खण्ड 10 की मब (छ) की उपमब (iii) में "प्रत्येक कर्मकार" शब्द के स्थान पर "प्रत्येक दैनिक कर्मकार" शब्द रखे जायेंगे।

[फा० सं० एस० 70012/5/73-मी एण्ड डी]

बी० संकरलिंगम, अवर सचिव

S.O. 702.—Whereas certain draft scheme to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) at page 3496 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), dated the 6th October, 1973 under the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), No. S.O. 2908, dated the 25th September, 1973, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of two months from the date of its publications in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 6th October, 1973;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following scheme to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, namely:—

1. Short title and commencement.—This Scheme may be called the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1974.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970.—(1) In sub-clause (5) of clause 2, the following words shall be inserted after the words "Chipping and Painting work in the port", namely:—

"or engaged in any work in connection with the employment of General Purpose Masdoors, Carpenters and Riggers employed on ship in the Port through Contractors registered for employment of those categories of workers only";

(2) in sub-item (iii) of item (g) of clause 10 for the words "each worker", the words "each daily worker" shall be substituted.

[File No. S. 70012/5/73-P&D]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1974

का० प्रा० 703.—केन्द्रीय सरकार, खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 83 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा जैसलमेर क्षेत्र में खोज वर्मिन और उत्पादन संक्रियाओं के लिए नियोजित किए गए व्यक्तियों को, उक्त अधिनियम के अध्याय 6 के उपबंधों के उसकी धारा 36 और धारा 40 से 46 तक (बानों को सम्मिलित करते हुए) और धारा 48 के सिवाय, प्रवर्तन से इन शर्तों के अधीन रहते हुए छूट बेती है कि उक्त व्यक्तियों को—

(i) किसी एक दिन आठ घंटे से अधिक के लिये नियोजित नहीं किया जाएगा,

(ii) एक समय में पन्द्रह दिन से अधिक के लिये नियोजित नहीं किया जाएगा,

(iii) एक समय में पन्द्रह दिन तक काम कर लेने के पश्चात् कम से कम पांच दिन की अवधि के लिये विश्राम दिया जाएगा।

[सं० एस० 29014/1/74-एम आई]

टी० एस० कृष्णामूर्ति, अवर सचिव।

New Delhi, the 23rd February, 1974

S.O. 703.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 83 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby exempts the persons employed by the Oil and Natural Gas Commission on exploration drilling and production operations in Jaisalmer area from the operation of the provisions of Chapter VI of the said Act except section 36 and sections 40 to 46 (both inclusive) and section 48 thereof, subject to the conditions, that the said persons,

(i) shall not be employed for more than eight hours on any one day,

(ii) shall not be employed for more than fifteen days at a stretch,

(iii) shall, after they have worked for fifteen days at a stretch, be granted rest for a period of not less than five days.

[No. S. 29014/1/74/MI]

T. S. KRISHNAMURTHI, Under Secy.

नई दिल्ली, तारीख 23 फरवरी, 1974

का० प्रा० 704.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री टी० एन० वासुदेवन को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम या कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महाप न खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्यों में विभाग या शाखाएं हैं सम्पूर्ण केरल राज्य और पण्डीचेरी संघ राज्यक्षेत्र के महे क्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए-12016(11)/72-पीएफ 1]

New Delhi, the 23rd February, 1974

S.O. 704.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri T. N. Vasudevan to be an Inspector for the whole of the State of Kerala and Mahe area of the Union Territory of Pondicherry for the

purposes of the said Act, the Scheme or the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(11)/72-PF. I]

का० प्रा० 705.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री एस० डी० शनमूगम को उक्त अधिनियम, उसके अधीन विरचित किसी स्कीम या कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, सम्पूर्ण कर्नाटक राज्य के लिए निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(10)/72-पी० एफ० 1]

S.O. 705.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri S. D. Shanmugam to be an Inspector for the whole of the State of Karnataka for the purposes of the said Act, the Scheme or the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(10)/72-PF. I]

का० प्रा० 706.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री आर० पी० सूद को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम और कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण राजस्थान राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(21)/73-पी० एफ० 1]

S.O. 706.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri R. P. Sood to be an Inspector for the whole of the State of Rajasthan for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No A-12016/21/73-PF. I]

का० प्रा० 707.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एम० के० भट्ट-नागर को उक्त अधिनियम स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब

पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या ऐसे किसी स्थापन के संबंध में जिसकी एक से अधिक राज्य में विभाग और शाखाएं हैं, सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(16)/73-पी० एफ० -1]

S.O. 707.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri M. K. Bhatnagar to be an Inspector for the whole of the State of Uttar Pradesh for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/16/73-PF. I]

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1974

का० प्रा० 708.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्वश्री जीवन सिंह और कर्तार सिंह कोहली को उक्त अधिनियम, स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, सम्पूर्ण पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्य और चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016/2/74-पी० एफ० 1]

New Delhi, the 1st March, 1974

S.O. 708.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Sarvashri Jiwan Singh and Kartar Singh Kohli to be Inspectors for the whole of the States of Punjab, Haryana and Himachal Pradesh and Union Territory of Chandigarh for the purposes of the said Act, the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/2/74-PF. I]

का० प्रा० 709.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 3943, तारीख 15 नवम्बर, 1972 के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, नागपुर को 23 फरवरी, 1973 से 22 फरवरी, 1974 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए उक्त अधिनियम के पूर्वान से छूट देती है।

[सं० ए० 38014/64/73-एच० प्राई०]

S.O. 709.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of

1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3943, dated the 15th November, 1972 the Central Government hereby exempts the Central Public Health Engineering Research Institute, Nagpur from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 23rd October, 1973 upto and inclusive of the 22nd October, 1974.

[No. S-38014/64/73-HI]

का० आ० 710.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 5-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के भूत पूर्व श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 820 तारीख 20 जनवरी, 1971 को अधः श्रान्त करते हुये केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को उनके कर्तव्यों का पालन करने में सहायता करने के लिये सम्पूर्ण बिहार राज्य के लिये श्री एस० एस० चटर्जी को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त नियुक्त करती है।

[सं० ए-12016(15)/73-पी० एफ० 1(i)]

S.O. 710.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5D of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 820, dated the 20th January, 1971, the Central Government hereby appoints Shri S. S. Chatterjee as Regional Provident Fund Commissioner for the whole of the State of Bihar to assist the Central Provident Fund Commissioner in the discharge of his duties.

[No. A. 12016(15)/73-PF. I(i)]

का० आ० 711.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 821, तारीख 20 जनवरी, 1971 को, अधिश्रान्त करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री एस० एस० चटर्जी, को उक्त अधिनियम, स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हों; सम्पूर्ण बिहार राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(15)/73-पी० एफ० 1(ii)]

S.O. 711.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 821, dated the 20th January, 1971, the Central Government hereby appoints Shri S. S. Chatterjee to be an Inspector for the whole of the State of Bihar for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(15)/73-PF. I(ii)]

का० आ० 712.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री डी० के० भट्टाचार्य को उक्त अधिनियम स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिये केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हों सम्पूर्ण बिहार राज्य के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए-12016(18)/73-पी० एफ० 1]

S.O. 712.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri D. K. Bhattacharya to be an Inspector for the whole of the State of Bihar for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/18/73-PF. I]

का० आ० 713.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री एम० धार० नील कठिन को उक्त अधिनियम स्कीम और उसके अधीन विरचित किसी कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हो सम्पूर्ण तमिल नाडु राज्य और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12016(5)/72-पी० एफ० 1]

S.O. 713.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri M. R. Neelakanthar to be an Inspector for the whole of the State of Tamil Nadu and Union Territory of Pondicherry for the purposes of the said Act, the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/5/72-PF. I]

का० आ० 714.—यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि जलकल-विभाग छावनी बोर्ड ग्रन्थाला के कर्मचारों को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन उपबंधित प्रसुविधाएँ जैसी स्मरतः प्रसुविधाएँ प्राप्त हैं।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा निगम से परामर्श करने के पश्चात् उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिये छूट देती है।

[फा० सं० एस-38014(1)/74-एच० आर्डी]

लालफक जूझाला अवर सचिव।

S.O. 714.—Whereas the Central Government is satisfied that the employers of the Water Works Cantonment Board, Ambala are otherwise in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above mentioned factory from the operation of the said Act for a period of one year with effect from the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. S. 38014(1)/74-II]

LALFAK ZUALA, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1974

का० प्रा० 715.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सी० एस० एण्ड एसोसिएशन नं० 4, स्मिथ रोड, माउंट रोड, मद्रास-2 जिसके अन्तर्गत उसका कारखाना नं० 66, पीटर्स रोड, मद्रास-6 भी है नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस-35019(41)/73-पी० एफ० 2(i)]

New Delhi, 2nd March, 1974

S.O. 715.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs C. S. and Associates No. 4, Smith Road, Mount Road, Madras-2 including its factory at No. 66 Peters Road, Madras-6 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(41)/73-PF. II(i)]

का० प्रा० 716.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 अप्रैल 1973 से मैसर्स सी० एस० एण्ड एसोसिएशन नं० 4 स्मिथ रोड, माउंट रोड मद्रास-2 जिसके अन्तर्गत उसका कारखाना नं० 66 पीटर्स रोड मद्रास-6 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस-35019(41)/73-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 716.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st April, 1973, the establishment known as Messrs C.S. and Associates, No. 4, Smith Road, Mount Road, Madras-2 including

its factory at No. 66 Peters, Madras-6 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(41)/73-PF. II(ii)]

का० प्रा० 717.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गिरधर लाज जे० वोरा, 36 तमरिन्ड लेन, फोर्ट, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के अठ्ठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[का० सं० एस-35018(104)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 717.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Girdharlal J. Vora, 36, Tomarind Lane, Fort., Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force from twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35018(104)/73-PF. II]

का० प्रा० 718.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विवेकानन्द मिल्स, ओल्ड अंजिरवादी, मजगांव, मुम्बई-10, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के अठ्ठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(101)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 718.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vivekanand Mills, Old Anjirwadi, Mazgaon, Bombay-10 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35018(101)/73-PF. II]

का० प्रा० 719.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नाराकोर्प को-ऑपरेटिव कन्स्यूमर्स सोसाइटी लिमिटेड एन०भार०सी० कालोनी मोहने पोस्ट, कल्याण जिला थाना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(102)/73-पी०एफ० 2]

S.O. 719.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Naracorp Co-operative Consumer's Society Limited, N.R.C. Colony, Mohane Post, Kalyan District Thana have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S. 35018(102)/73-PF. II]

का० प्रा० 720.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विष्णु विलास स्टेशन रोड गुन्तूर-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अगस्त के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(184)/72-पी०एफ० 2]

S.O. 720.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vishnu Vilas, Station Road, Guntur-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1972.

[No. S. 35019/184/72-PF. II]

का० प्रा० 721.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अब्दुल लतीफ हाजी मोहम्मद लतीफ हाउस, भायरन मार्केट, 250 संत तुकाराम रोड, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(90)/73-पी०एफ० 2]

S.O. 721.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Abdul Latif Haji Mohamed Latif House, Iron Market 250 Sant Tukaram Road, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1972.

[No. S. 35018/90/73-PF. II]

का० प्रा० 722.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडियन जनरल इंडस्ट्रीज, विलिंगडन आइलैंड कोचीन-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के जनवरी के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(100)/73-पी०एफ० 2]

S.O. 722.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian General Industries, Willingdon Island, Cochin-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall come into force on the thirty first day of January, 1974.

[No. S. 35019/100/73-PF. II]

का० प्रा० 723.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विजयनगर ज्वारंट फार्मिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सालारजंग शुगर मिल्स, मुनीराबाद आर०एम० रायचूर डिस्ट्रिक्ट नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(152)/73-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 723.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vijayanagar Joint Farming Cooperative Society Limited, Salarjung Sugar Mills, Munirabad R.S. Raichur District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March 1973.

[No. S. 35019/152/73-PF. II (i)]

का० प्रा० 724.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् 1 मार्च, 1973 से मैसर्स विजयनगर ज्वारंट फार्मिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सालारजंग शुगर मिल्स, मुनीराबाद आर०एम० रायचूर डिस्ट्रिक्ट नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(152)/73-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 724.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st March, 1973 the establishment known as Messrs Vijayanagar Joint Farming Cooperative Society Limited, Salarjung Sugar Mills, Munirabad R.S. Raichur District for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/152/73-PF. II(i)]

का० प्रा० 725.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स परी सिनेमा, आर-108/2, अकरा रोड, कलकत्ता-24 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1968 के अगस्त के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० 8/118/68-पी०एफ० 2]

S.O. 725.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pari Cinema, R-108/2, Akra Road, Calcutta-24 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1968.

[No. 8/118/68-PF. II]

का० प्रा० 726.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जीत उद्योग, बी०3, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कटक-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(42)/73-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 726.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jeet Udyog, B-3, Industrial Estate, Cuttack-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(42)/73-PF. II (i)]

का० प्रा० 727.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1973 से मैसर्स जीत उद्योग, बी०3, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कटक-3 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(42)/73-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 727.—In exercise of the powers, conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st April, 1973, the establishment known as Messrs Jeet Udyog, B-3, Industrial Estate, Cuttack-3, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(42)/73-PF. II(ii)]

क्र० प्रा० 728.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्रीराम पाइप ट्रेडर्स, 316, थम्बुचेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(135)/73-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 728.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relations to the establishment known as Messrs Sreeram Pipe Traders, 316, Thambu Chetty Street, Madras-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S. 35019(135)/73-PF. II(i)]

क्र० प्रा० 729.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, सम्बद्ध विषयों में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1973 से मैसर्स श्रीराम पाइप ट्रेडर्स 316, थम्बुचेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन की उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(135)/73-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 729.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st June, 1973, the establishment known as Messrs Sreeram Pipe Traders, 316, Thambu Chetty Street, Madras-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(135)/73-PF. II(ii)]

क्र० प्रा० 730.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी० बी० शाह, विष्णु निकेतन, न्यू चर्नी रोड, मुम्बई-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्ति हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35018(99)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 730.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. B. Shah, Vishnu Niketan, New Charni Road, Bombay-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35018(99)/73-PF. II]

क्र० प्रा० 731.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पिपलिया इंजीनियरिंग वर्क्स, पिपलिया कला बरास्ता ब्यावर (राजस्थान) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के फरवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(99)/73-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 731.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pipalia Engineering Works, Pipalia-Kalan, via Beawer (Rajasthan) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1971.

[No. S. 35019/99/73-PF. II(i)]

क्र० प्रा० 732.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 की 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1971 से मैसर्स पिपलिया इंजीनियरिंग वर्क्स पिपलिया कला बरास्ता ब्यावर (राजस्थान) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(99)/73-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 732.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of February 1971 the establishment known as Messrs Pipalia Engineering Works, Pipalia Kalan, via Beawer (Rajasthan) for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35019/99/73-PF. II(ii)]

का० आ० 733.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्फिनि कन्सल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, 701, प्रसाद चैम्बर, आपराहाउस, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35018(96)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 733.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Infin Consultants Private Limited, 701, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1972.

[No. S. 35018(96)/73-PF. II]

का० आ० 734.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अतई मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी, 133, गवर्नमेंट इन्डस्ट्रियल एस्टेट, कान्दिवली, मुम्बई-67 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35018(103)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 734.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Atai Manufacturing Company, 133, Government Industrial Estate, Kandivli Bombay-67 have agreed that the provisions of the

Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35018(103)/73-PF. II]

का० आ० 735.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विहार रीफ्रेशमेंट्स, श्याम भवन, रेलवे स्टेशन के सामने गोखले रोड मुलुन्द (ईस्ट) मुम्बई-81 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अगस्त के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35018(92)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 735.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vihar Refreshments, Shyam Bhavan, Opposite Railway Station Gokhale Road Mulund (East) Bombay-81 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the Thirty-first day of August, 1972.

[No. S. 35018/92/73-PF. II]

का० आ० 736.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेन्स्टन एंजिनीज, 45, थम्बू जेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(134)/73-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 736.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Western Agencies, 45, Thambu Chetty Street, Madras-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S. 35019(134)/73-PF. II(i)]

का० प्रा० 737.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1973 से मैसेर्स वेस्टर्न एजेंसीज, 45 थम्बू, चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम-35019(134)/73-पी० एफ० 2(ii)]

दलजीत सिंह, अवर सचिव

S.O. 737.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st June, 1973, the establishment known as M/s. Western Agencies, 45 Thambu Chetty Street, Madras-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(134)/73-PF. II(ii)]

DALJIT SINGH, Under Secy.